mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-122 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
05 मई 2025 सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

सनराइजर्स की ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

मालदीव में मुइज्जू को विपक्ष ने घेरा

माले (एजेंसी)। मालदीव के विपक्षी नेताओं ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को झूठे दावे करने के मुद्दे पर घेर लिया है। विपक्ष ने मुइज्जू से माफी मांगने का दबाव बनाना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि मुइज्जू ने कहा है कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अन्य देशों के साथ किए गए समझौतों को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। इस पर विपक्षी नेता ने मुइज्जू की आलोचना करते हुए कहा कि भारत जैसे देशों के साथ समझौतों के संबंध में 2023 के चुनाव प्रचार के दौरान किए गए ÷झूठे दावे÷ के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। ऑनलाइन समाचार पोर्टल अधाधूडॉटकॉम की खबर के अनुसार, मुइज्जू ने शनिवार को अपने कार्यालय में लंबे समय तक चले एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह सैन्य

समझौतों का खुलासा करने के अपने वादे के अनुरूप काम कर रहे हैं और उन्होंने देरी के लिए गोपनीयता के मुद्दों को जिम्मेदार ठहराया। समाचार पोर्टल ने उनके हवाले से कहा, ''द्विपक्षीय चर्चाएं जारी हैं। कोई मुद्दा नहीं है। हालांकि, चूंकि मैंने एक संकल्प लिया है, इसलिए हम द्विपक्षीय चर्चाओं के माध्यम से खुलासा करने का प्रयास कर रहे हैं। कोई चिंता की बात नहीं है।''पीएसएम न्यूज की खबर के अनुसार, मुइज्जू ने यह टिप्पणी 15 घंटे तक चले एक संवाददाता सम्मेलन में की। पीएसएम न्यूज ने दावा किया कि मुइज्जू के इस संवाददाता सम्मेलन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। सत्ता में आने से पहले, मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने पूर्ववर्ती मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) सरकार द्वारा अन्य देशों, विशेषकर भारत के साथ हस्ताक्षरित समझौतों पर चिंता व्यक्त की थी। मुइज्जू और उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पहले कहा था कि इन समझौतों से मालदीव की संप्रभुता प्रभावित होगी।

यूरोप को जयशंकर ने दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने यूरोपीय देशों को बड़ी नसीहत दे डाली है। उन्होंने भारत के साथ गहरे संबंध विकसित करने के लिए यूरोप को कुछ संवेदनशीलता दिखाने और पारस्परिक हितों को ध्यान में रखने की सलाह देते हुए रविवार को कहा कि भारत भागीदारों की तलाश कर रहा है, न कि ''उपदेशकों'' की। बता दें कि जयशंकर अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। इस बार फिर उन्होंने यूरोपी देशों को सख्त नसीहत दी है। यह बात जयशंकर ने एक संवादात्मक सत्र में कही। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा ''रूसी यथार्थवाद'' की वकालत की है और संसाधन प्रदाता एवं उपभोक्ता के रूप में भारत और

रूस के बीच ''महत्वपूर्ण सामंजस्य'' है और वे इस मामले में एक दूसरे के ''पूरक'' हैं। विदेश मंत्री ने रूस-यूक्रेन संघर्ष का समाधान रूस को शामिल किए बिना खोजने के पश्चिम के पहले के प्रयासों की भी आलोचना करते हुए कहा कि इसने ''यथार्थवाद की बुनियादी बातों को चुनौती दी है।'' उन्होंने 'आर्कटिक सर्किल इंडिया फोरम' में कहा, ''मैं जैसे रूस के यथार्थवाद का समर्थक हूं, वैसे ही मैं अमेरिका के यथार्थवाद का भी समर्थक हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आज के अमेरिका के साथ जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका हितों की पारस्परिकता को खोजना है, न कि वैचारिक मतभेदों को आगे रखकर मिलकर काम करने की संभावनाओं को कमजोर होने देना।'' विदेश मंत्री ने आर्कटिक में हालिया घटनाक्रम के दुनिया पर पड़ने वाले असर और बदलती वैश्विक व्यवस्था के क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर व्यापक चर्चा करते हुए ये बातें कहीं। जयशंकर ने यूरोप से भारत की अपेक्षाओं संबंधी एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि उसे उपदेश देने के बजाय पारस्परिकता के ढांचे के आधार पर कार्य करना शुरू करना होगा।

शिरडी के साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की मिली धमकी, बढ़ाई सुरक्षा

मुंबई (एजेंसी)। देश के बड़े मंदिरों में से एक शिरडी के साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। बता दें कि बीते दिनों लगातार बम से जुड़ी धमकियां देखने को मिल रही हैं। इस बीच अब शिरडी के साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अज्ञात अपराधी ने ई-मेल के लिए यह धमकी दी थी। वहीं साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की तलाशी ली गई। हालांकि मौके पर कोई भी बम बरामद नहीं हुआ। दरअसल, महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में स्थित साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। शिरडी स्थित साईं बाबा मंदिर को उड़ाने से जुड़ी ये धमकी एक ईमेल के जरिए मिली है। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस की टीमों को मौके पर रवाना किया गया। पुलिस ने गहनता के साथ पूरे मंदिर परिसर की तलाशी ली। हालांकि मंदिर और इसके आस-पास कोई भी संदिग्ध वस्तु या बम नहीं मिला। बता दें कि इस मंदिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु देशभर से पहुंचते हैं। मेल भेजने वाले आरोपी ने कहा था कि वह मंदिर को बम से उड़ाने जा रहा है।

आरोपी ने साईं बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मंदिर ट्रस्ट के मेल पर भेजी थी। वहीं श्री शिरडी साईं बाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोरक्ष गाडिलकर ने इस बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''संस्थान (ट्रस्ट) के पास अपना सुरक्षा स्टाफ है। ईमेल मिलने के बाद हमारे स्टाफ ने पुलिस की कई टीम के साथ मिलकर तलाशी ली, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।''

एक-एक बूंद को तरसेगा पाकिस्तान

सिंधु संधि के बाद अब भारत ने चिनाब नदी पर बने बांध से जल प्रवाह को रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत दुश्मन देश पाकिस्तान के खिलाफ एक-एक कर कार्रवाई कर रहा है। भारत दुश्मन देश को पूरी तरह से अलग-थलग करने में लगा हुआ है। भारत ने पाकिस्तान से सिंधु जल संधि को खत्म करने के बाद चिनाब नदी पर बगलिहार बांध से पानी के प्रवाह को रोक दिया है। भारत अब झेलम नदी पर किशनगंगा बांध पर भी इसी तरह की कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। ये जानकारी समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक सूत्र के हवाले से दी है।

मालूम हो कि बगलिहार बांध भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से विवाद का विषय रहा है। पाकिस्तान ने अतीत में विश्व बैंक से मध्यस्थता की मांग की थी। किशनगंगा बांध को कानूनी और कूटनीतिक जांच का सामना करना पड़ा है।

भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को खत्म कर दिया है। विश्व बैंक द्वारा ये सिंधु जल संधि की गई थी। साल 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के उपयोग को नियंत्रित करती है।

1960 में हुई थी सिंधु जल संधि: इस संधि पर 1960 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और तत्कालीन पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान ने दोनों देशों के बीच हस्ताक्षर किए थे। इसे अक्सर दो शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों के बीच शांतिपूर्ण सहयोग के एक दुर्लभ उदाहरण के रूप में सराहा जाता है।

सिंधु संधि ने देखे तीन युद्ध: इस संधि ने भारत और पाकिस्तान के बीच तीन युद्धों - 1965, 1971 और 1999 भी देखे हैं। अब इसे अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया है। यह संधि भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी प्रणाली के विस्तार को नियंत्रित करती है।

धीरेंद्र शास्त्री ने शुरू की हनुमंत साधना

बागेश्वर धाम (एजेंसी)। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने दिल्ली, चेन्नई और बेंगलुरु की 10 दिवसीय यात्रा पूरी कर शनिवार को बागेश्वर धाम की वापसी की है। 11 मई तक बागेश्वर धाम पर रहते हुए उन्होंने 5 दिवसीय हनुमंत साधना शुरू की है, जो 8 मई तक चलेगी। इस साधना के दौरान वे प्रतिदिन 10 घंटे एकांत में कठिन तप करेंगे, जिसमें तेज गर्मी और कड़ी धूप में केवल एक गिलास दूध पर निर्भर रहेंगे। साधना के पहले दिन बाबा बागेश्वर ने सन्यासी बाबा की साधना लेने वाले साधकों से मुलाकात की। उन्होंने साधकों के साथ उनके अनुभव साझा किए और साधना से उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों पर विस्तृत चर्चा की। साधकों ने अपनी आध्यात्मिक यात्रा और साधना के प्रभावों को साझा करते हुए बागेश्वर महाराज के मार्गदर्शन की सराहना की। वहीं, दूसरे दिन रविवार को बागेश्वर महाराज ने बागेश्वर धाम में स्थित बागेश्वर बालाजी भगवान के मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने भक्तों की उपस्थिति में हनुमान जी की आराधना की और साधना के उद्देश्यों को स्पष्ट किया।

वक्फ संशोधन अधिनियम पर सोमवार को होगी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

केंद्र ने कहा- सरकार का पक्ष सुने बिना कानून पर न लगे रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट वक्फ (संशोधन) अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करेगा। कुछ हफ्ते पहले सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के प्रश्नों के मद्देनजर इस विवादास्पद कानून के दो मुख्य बिंदुओं के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी थी। केंद्र ने 17 अप्रैल को कोर्ट को सूचित किया था कि वह मामले की सुनवाई की अगली तारीख 5 मई तक 'वक्फ बाय यूजर' सहित अन्य वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित नहीं करेगा, न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्तियां करेगा।

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ से कहा था कि संसद द्वारा उचित विचार-विमर्श के बाद पारित कानून पर सरकार का पक्ष सुने बिना रोक नहीं लगाई जानी चाहिए।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पहले से पंजीकृत या अधिसूचना के माध्यम से घोषित वक्फ संपत्तियों, जिनमें 'वक्फ बाय यूजर' भी शामिल है, को अगली सुनवाई की तारीख तक न तो छेड़ा जाएगा और न ही गैर अधिसूचित किया जाएगा।

इसके बाद पीठ ने केंद्र को कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर प्रारंभिक जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई पांच मई के लिए तय की। सुप्रीम कोर्ट की तीन न्यायाधीशों की पीठ सोमवार को पांच याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

याचिकाओं के इस समूह में एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा दायर एक याचिका भी शामिल है। पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद केंद्र ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 को पिछले महीने अधिसूचित किया था।

एयर इंडिया की फ्लाइट अबू धाबी की ओर डायवर्ट

मिसाइल अटैक के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से इजरायल की राजधानी तेल अवीव जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को अबू धाबी डायवर्ट किया गया है। यह फैसला तेलअवीव बेन गुरियन एयरपोर्ट पर मिसाइल अटैक के बाद लिया गया। यमन के हूती विद्रोहियों ने बेन गुरियन एयरपोर्ट पर मिसाइल अटैक किया। मिसाइल अटैक के कारण धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया और यात्रियों में दहशत फैल गई। इसके बाद कई फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा। इनमें एयर इंडिया की फ्लाइट द्ध139 भी शामिल है। एयर इंडिया की ओर से इस संबंध में एक बयान भी जारी किया गया। बयान में कहा गया कि 3 मई 2025 को दिल्ली से तेल अवीव जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट द्ध139 को आज सुबह बेन गुरियन एयरपोर्ट पर हुई घटना के बाद अबू धाबी की ओर डायवर्ट कर दिया गया। इस फ्लाइट की अबू धाबी में नॉर्मल लैडिंग हुई है और जल्द ही दिल्ली वापस लौटेगी।

बयान में तेल अवीव जाने वाली फ्लाइट्स को सस्पेंड करने का फैसला लिया गया। बयान में कहा गया-हम अपने यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेल अवीव से आने-जाने वाली उड़ानें 6 मई 2025 तक तत्काल प्रभाव से निलंबित रहेंगी। ग्राउंड पर हमारा स्टाफ ग्राहकों की सहायता कर रहा है और उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था करने में मदद कर रहा है।

दरअसल, यमन के ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा रविवार को दागी गई मिसाइल के कारण इजराइल के मुख्य इंटरनेशनल एयरपोर्ट बेन गुरियन पर उड़ानें करी एक घंटे तक बाधित रहीं। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी मिसाइल के कारण धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया और यात्रियों में दहशत फैल गई। हूती विद्रोही गाजा में युद्ध के दौरान फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए इजराइल पर हमला कर रहे हैं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर राहुल गांधी से किया सवाल

सिख युवक के सवाल पर कांग्रेस नेता ने क्या जवाब दिया?

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा नेता अमित मालवीय ने राहुल गांधी का एक वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि दुनियाभर में उनका मजाक बनाया जा रहा है। मीडिया ऑडीटर इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है, लेकिन एनडीटीवी की खबर के अनुसार यह वीडियो दो सप्ताह पुराना है, जब राहुल गांधी अमेरिका में ब्राउन यूनिवर्सिटी के वाटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में एक संवाद के लिए गए थे। वीडियो शेयर करते हुए अमित मालवीय ने कहा कि सिख व्यक्ति ने राहुल गांधी को उनकी पिछली अमेरिका यात्रा के दौरान किए गए ÷निराधार भय-प्रचार÷ की याद दिला दी है। उन्होंने कहा, ÷यह बिल्कुल अभूतपूर्व है कि राहुल गांधी का अब न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में उपहास किया जा रहा है।÷

सिख व्यक्ति ने राहुल गांधी से पूछा ÷आप सिखों में यह डर पैदा करते हैं कि भाजपा कैसी दिखेगी, आपने कहा कि राजनीति में भय नहीं होना चाहिए, हम सिर्फ कड़ा पहनना नहीं चाहते, हम सिर्फ पगड़ी बांधना नहीं चाहते, हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चाहते हैं, जिसे अतीत में कांग्रेस पार्टी के शासन में अनुमति नहीं दी गई।÷

कांग्रेस पार्टी पर लगाए आरोप

युवा सिख ने कहा कि आनंदपुर साहिब प्रस्ताव दलित अधिकारों की बात करता है और अलगाववाद का कोई जिक्र नहीं करता, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस ने इसे अलगाववादी दस्तावेज करार दिया था। उन्होंने कहा, ÷यह कुछ ऐसा है जो आपकी पार्टी ने किया है, आपकी पार्टी में अपनी गलतियों को स्वीकार करने की परिपक्वता की कमी है।÷ सिख व्यक्ति ने पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार का जिक्र किया, जिन्हें 1984 के दंगों से जुड़ी हत्या के लिए दोषी ठहराया गया है, और कहा, ÷कांग्रेस पार्टी में कई और सज्जन कुमार बैठे हैं।÷

सिख व्यक्ति ने कहा, ÷आप हमें यह डरने को कहते हैं कि %भाजपा का भारत% कैसा दिखेगा, लेकिन आपने सिखों के साथ सामंजस्य स्थापित करने की कोशिश नहीं की। आप क्या प्रयास कर रहे हैं, क्योंकि यदि आप इसी तरह चलते रहे तो भाजपा पंजाब में भी अपनी जगह बना लेगी।÷

आवासीय विद्यालय में महिला प्राचार्य और लाइब्रेरियन के बीच जमकर मारपीट

खरगोन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खरगोन में एक महिला प्राचार्य और महिला लाइब्रेरियन के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दोनों महिलाएं स्कूल परिसर के अंदर मारपीट करती नजर आ रही हैं। दोनों ने एक-दूसरे के ऊपर आरोप भी लगाए हैं। वीडियो वायरल होने के बाद प्राचार्य और लाइब्रेरियन को उनके पद से हटा दिया गया है। प्राचार्य और लाइब्रेरियन ने मेनगांव थाने में मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। महिला प्राचार्य और लाइब्रेरियन ने एक-दूसरे को थप्पड़ मारे और प्राचार्य ने लाइब्रेरियन की चोटी पकड़कर दीवार पर पटक दिया। उन्होंने वीडियो बना रही लाइब्रेरियन का मोबाइल भी तोड़ दिया। दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई। घटना शुक्रवार (2 मई) की है, लेकिन इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला प्राचार्य और लाइब्रेरियन के बीच मारपीट का विडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर के आदेश पर सहायक आयुक्त ने प्राचार्य और शिक्षिका लाइब्रेरियन को उनके पद से हटा दिया है। महिला प्राचार्य प्रवीण दाहिया और शिक्षिका (लाइब्रेरियन) मधुरानी ने अलग-अलग समय पर मेनगांव थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मामला मेनगांव थाना क्षेत्र के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का है।

'देश की जनता जैसा चाहती है, वैसा होकर रहेगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज राजधानी दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में पहलगाम आतंकी हमले के बाद उभरी पब्लिक सेंटिमेंट्स का उल्लेख करते हुए साफ शब्दों में कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की जनता जैसा चाहती है, वैसा होकर रहेगा। देश की सीमा की रक्षा मेरी जिम्मेदारी है। देश पर आंख उठानेवालों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। यह राजनाथ सिंह का पाकिस्तान को सख्त संदेश था।

● राजनाथ सिंह का पाकिस्तान को सख्त संदेश

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संस्कृति जागरण महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यशैली और दृढ़ता से परिचित हैं, आप उनकी दक्षता और दृढ़ संकल्प से परिचित हैं। आप जानते हैं कि उन्होंने अपने जीवन में किस तरह जोखिम उठाना सीखा है। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में %जैसा आप चाहते हैं वैसा होकर रहेगा।% उन्होंने कहा कि भारत की ताकत केवल उसकी सेनाओं में ही नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति, आध्यात्मिकता में भी है।

बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमलों में 26 लोगों की मौत हो गई थी जबकि करीब 17 लोग घायल हो गए थे। इस आतंकी हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव पैदा कर दिया। भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौते को रोक दिया और कई तरह की पाबंदियां लगा दी है।

पाकिस्तानी सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर विभिन्न सेक्टर में बिना उकसावे के गोलीबारी की जिसका भारतीय सेना ने प्रभावी तरीके से जवाब दिया। जम्मू-कश्मीर में कुपवाड़ा, बारामूला, पुंछ, राजौरी, मेंढर, नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर के सामने स्थित एलओसी पर बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की गई। भारतीय सेना ने तुरंत और प्रभावी तरीके से इसका जवाब दिया।

इस तनाव के बीच पाकिस्तान द्वारा सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण की तैयारी को भारत ने ''लापरवाही से युक्त उकसावे की कार्रवाई'' और स्थिति को ''खतरनाक स्थिति में पहुंचाने वाला'' कदम माना है।

भारत ने हमले के ''सीमा पार संबंधों'' का हवाला देते हुए घटना में शामिल लोगों को कड़ी सजा देने का संकल्प लिया है। अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित कई वैश्विक शक्तियों ने आतंकवादी हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करते हुए दोनों पक्षों से तनाव कम करने का आह्वान किया है।

नीमच, देवास, सिवनी एवं शिवपुरी में परमाणु परियोजनाओं की स्थापना में सहयोग के लिये समिति गठित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन ने एनटीपीसी द्वारा प्रदेश में परमाणु परियोजनाओं की स्थापना के लिए नीचम, देवास, सिवनी एवं शिवपुरी जिलों में चिन्हित 4 स्थलों पर परमाणु परियोजनाओं की स्थापना में सहयोग प्रदान करने के लिए अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री नीरज मण्डलोई की अध्यक्षता में ज्वाइंट वर्किंग कमेटी का गठन किया है। समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/ सचिव जल संसाधन, पर्यावरण, राजस्व, वन और कलेक्टर नीमच, देवास, सिवनी, शिवपुरी, कार्यपालक निदेशक परमाणु एनटीपीसी मुम्बई तथा श्री ए.पी. सनल महाप्रबंधक परमाणु एनटीपीसी मुम्बई को सदस्य नियुक्त किया गया है। श्री संदेश जायसवाल महाप्रबंधक परमाणु एनटीपीसी भोपाल समिति के संयोजक होंगे। समिति द्वारा भू-अधिग्रहण के पूर्व परियोजना अध्ययन में स्थानीय प्रशासन को मार्गदर्शन दिया। समिति द्वारा प्रस्तावित स्थलों के परिप्रेक्ष्य में भूमि अधिग्रहण/क्रय आदि में एनटीपीसी समिति द्वारा जल उपलब्धता एवं आवंटन के लिये समन्वय किया जायेगा। समिति द्वारा समस्त वैधानिक स्वीकृतियाँ जिनमें वन भूमि यदि कोई हो, के लिये समन्वय किया जायेगा। समिति द्वारा प्रस्तावित परियोजना से विद्युत की निकासी के लिए आवश्यक भूमि तथा अधोसंरचना के विकास में समन्वय किया जायेगा। समिति द्वारा परियोजना के क्रियान्वयन के लिये आवश्यकता पड़ने पर विभिन्न वैकल्पिक स्वीकृतियों तथा सार्वजनिक सुनवाई, भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृतियाँ, पर्यावरणीय स्वीकृति राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल से स्वीकृति के लिये समन्वय किया जायेगा। एनटीपीसी द्वारा परियोजनाओं की प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी समय-समय पर समिति के समक्ष प्रस्तुत की जायेगी, जिसके आधार पर समिति द्वारा आवश्यक समन्वय किया जायेगा।

एमपी ट्रांसको रतलाम में हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के तत्वावधान में काकानी सोशल वेलफेयर फाउंडेशन एवं जिला रोगी कल्याण समिति रतलाम के सहयोग से रतलाम में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं कार्डियोपल्मोनरी पुनर्जीवन तकनीक (सीपीआर) का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। शिविर के दौरान डॉ. राजेश मैडा एवं डॉ. शीतल पाटीदार के निर्देशन में चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा सीपीआर सहित विभिन्न जीवन रक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही एमपी ट्रांसको के कर्मचारियों की मधुमेह, रक्तचाप, दंत परीक्षण आदि की जांच की गई तथा आवश्यक परामर्श भी दिया गया। गर्मी के मौसम में लू, सड़क दुर्घटनाओं एवं विद्युत से संबंधित दुर्घटनाओं से बचाव के लिये जन-जागरूकता भी इस शिविर का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य था।

एमपी के कॉलेजों में 15 मई से शुरू होंगे एडमिशन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के 12वीं के रिजल्ट 10 मई से पहले घोषित होने की संभावना है। ऐसे में प्रदेश भर के कालेजों में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से शुरू की जाएगी। इस बार एमपी आनलाइन के बदले दूसरे पोर्टल से पंजीयन होंगे। विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश दिलाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके लिए इस बार सभी जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 में मध्य प्रदेश के कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाने के लिए विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों की रोमांचक यात्रा अब किडजानिया में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश इतिहास, संस्कृति, अध्यात्म और वन्यजीव का अद्भुत मिश्रण है। प्रदेश की वैभवशाली विरासत, वन्यजीव और समृद्ध संस्कृति को रोचक और आकर्षक रूप में किडजानिया के माध्यम से भावी पीढ़ी तक पहुंचाया जायेगा। प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक, एमपी टूरिज्म बोर्ड, श्री शिव शेखर शुक्ला किडजानिया मुंबई में एमपी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर के शुभारंभ अवसर को संबोधित कर रहे थे। इसी के साथ किडजानिया दिल्ली में भी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर शुरू हो गया। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी के लिए सब कुछ है। देश में उपलब्ध लगभग सभी पर्यटन आकर्षण मध्यप्रदेश में है। विशेष रूप से मध्यप्रदेश की स्थानीय जनजातीय संस्कृति का अनुभव पर्यटकों के लिए अनोखा होता है। प्राचीन समय से जनजातीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए मूल स्वरूप में सहेजा गया है। इतिहास प्रेमियों के लिए तो मध्यप्रदेश स्वर्ग की तरह है। यहां यूनेस्को के 18 विश्व विरासत स्थल है। इसमें से 3 स्थायी सूची में और 15 अस्थायी सूची में शामिल हैं। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने सभी का कार्यक्रम का हिस्सा बनने के लिए धन्यवाद देते हुए उन्हें मध्यप्रदेश में पर्यटन के लिए आमंत्रित किया।

चीफ बिजनेस ऑफिसर किडजानिया श्री तरणदीप सिंह शेखोंन ने कहा कि प्रदेश के पर्यटन स्थलों को बच्चों के जरिए परिवारों तक पहुंचाने के पहली बार किसी राज्य ने नवीन पहल की है। मध्यप्रदेश का यह नवाचार बच्चों को भविष्य का जिम्मेदार पर्यटक बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

अतिरिक्त प्रबंध संचालक एमपी टूरिज्म बोर्ड सुश्री बिदिशा मुखर्जी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पर्यटन स्थलों को देश भर के बच्चों तक पहुंचाने के लिए यह नवीन प्रयोग किया गया है। जंगल सफारी और रिवर राइड के माध्यम से बच्चे प्रदेश के वन्य जीव, नदियों, इतिहास और संस्कृति से परिचित होंगे। आने वाले समय में इसे और अधिक रोचक बनाया जाएगा।

कार्यक्रम में किडजानिया और एमपी टूरिज्म के बीच एमओयू एक्सचेंज सेरेमनी की गई। किडजानिया के डायरेक्टर और चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री यजदी खंबाटा ने प्रमुख सचिव श्री शुक्ला को एमपी टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर की चाबी भेंट की। इसके बाद किडजानिया के बच्चों के संग केक कटिंग कर सेंटर के शुभारंभ की खुशी मनाई गई। किडजानिया के मैस्कॉट और बच्चों के साथ किडजानिया परेड के साथ किडजानिया सिटी घूमते हुए सभी अतिथि एमपी टूरिज्म के एक्सपीरियंस सेंटर पहुंचे। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बच्चों के साथ रिबन खोल के एक्सपीरियंस सेंटर का शुभारंभ किया।

मध्यप्रदेश टूरिज्म एक्सपीरियंस सेंटर का उद्देश्य बच्चों को प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर, जैव विविधता, नदियों और सांस्कृतिक विरासत से रोचक और रचनात्मक तरीके से जोड़ना है। यह पहल न केवल बच्चों को रोमांचक अनुभव प्रदान करती है, बल्कि उनके माध्यम से पूरे परिवार को भी मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों के प्रति आकर्षित करने का कार्य करती है।

इस सेंटर में दो प्रमुख वर्चुअल अनुभव प्रस्तुत किए जा रहे हैं - जंगल सफारी और रिवर राफ्टिंग। जंगल सफारी के दौरान बच्चे वर्चुअल जीप सफारी में मध्यप्रदेश के घने जंगलों, राष्ट्रीय उद्यानों और जंगली जानवरों को नजदीक से देखने का अनुभव करते हैं। वहीं, रिवर राफ्टिंग में वे प्रदेश की नदियों की लहरों पर सवारी करते हुए प्राकृतिक सौंदर्य और जलजीवों को जानने का रोमांच महसूस करते हैं।

स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों को समय सीमा में करें पूर्ण -राज्य मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने ग्वालियर में फूड एण्ड ड्रग टेस्टिंग लैब सहित स्वास्थ्य अधोसंरचना विकास कार्यों का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। राज्य मंत्री श्री पटेल ने हाउसिंग बोर्ड के सिविल इंजीनियरों एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों को निर्देशित किया कि वे निर्माण कार्य में तेजी लाएं और तय समय-सीमा में कार्य पूरा करें।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव को कार्य की नियमित निगरानी करने तथा इसे प्राथमिकता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव, डीएचओ-2 डॉ. प्रबल प्रताप सिंह, ड्रग इंस्पेक्टर कु. अनुभूति शर्मा, फूड ऑफिसर श्री लोकेन्द्र सिंह, एम.पी. हाउसिंग बोर्ड से ई.ई. श्री दास गुप्ता, श्रीमती नीरू राजपूत, श्री बसंत यादव, एसडीओ श्री रतन काकवानी, श्री शुभम गुप्ता तथा भोपाल से फूड एण्ड ड्रग टेस्टिंग लैब के प्रभारी श्री राकेश जैन भी मौजूद रहे।

पाठ्य पुस्तक निगम की त्रुटिहीन पुस्तकें 15 जून तक विद्यार्थियों तक पहुंचे : स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने पाठ्यपुस्तक निगम की त्रुटिपूर्ण पुस्तकों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि आगामी 15 जून तक त्रुटि को दुरूस्त कर त्रुटिरहित सही पुस्तकें विद्यार्थियों तक पहुंच जाये, यह व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। स्कूल शिक्षा मंत्री ने निगम के अधिकारियों से कहा है कि त्रुटिपूर्ण पुस्तकें छापने वाले मुद्रक से मुद्रण में लगे कागज, मुद्रण और परिवहन खर्च समेत सभी राशि दोषी मुद्रक से वसूल की जाये। बैठक में बताया गया कि शिक्षा सत्र 2025-26 के लिये गणित की कक्षा 10 की लगभग 3.30 लाख पुस्तकों के मुद्रण का कार्य निर्धारित प्रकिया को पूरा करके संबंधित मुद्रक को आवंटित किया गया था। निर्धारित प्रक्रिया अनुसार मुद्रक द्वारा नमूना किताब मुद्रित कर निगम को दी गई थी। इसका परीक्षण करने पर इस नमूना किताब को त्रुटिहीन एवं ठीक पाया गया था, जिसके आधार पर मुद्रक को मुद्रण प्रारंभ करने के निर्देश दिये गये थे। मुद्रक द्वारा प्रदाय की गई पुस्तकों के बंडल से पुस्तकों के नमूनों की निगम के जाँच दल द्वारा त्रुटि पाई गई। त्रुटि मिलने पर तत्काल पुस्तकों का प्रदाय रोका

गया, मुद्रक को नोटिस जारी किया गया और मुद्रक के समस्त भुगतान रोके गये। इस कार्रवाई के बाद मुद्रक ने लिखित में स्वीकार किया कि उक्त त्रुटि उनके सॉफ्टवेयर में आई खराबी के कारण हुई है। पाठ्य पुस्तक निगम और राज्य शिक्षा केन्द्र के अधिकारियों की समिति ने परीक्षण कर मुद्रक के विरूद्ध कार्रवाई की अनुशंसा की। इस अनुशंसा के बाद पाठ्य पुस्तक निगम प्रबंधन ने निर्णय लिया कि अनुबंध अनुसार संपूर्ण त्रुटिपूर्ण पुस्तकों के स्थान पर मुद्रक नयी त्रुटिहीन पुस्तकें मुद्रित कर पाठ्य पुस्तक निगम को प्रदाय करेगा।

समय-सीमा में कार्य नहीं होने पर किया जाएगा ब्लैक लिस्ट-खाद्य मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नल-जल योजना के काम समय-सीमा में नहीं होने पर निर्माण एजेंसी को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा। सरपंच, ग्रामवासी और निर्माण एजेंसी का सहयोग, समन्वय कर कार्य कराए। साथ ही नल-जल योजना की सामग्री चोरी और क्षतिग्रस्त होने पर एफआईआर की कार्रवाई करें। कार्य पूर्ण होने के बाद सड़कों का रेस्टोरेशन गुणवत्ता के साथ करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह निर्देश सागर में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सुरखी विधानसभा क्षेत्र में चल रही नल-जल योजना की समीक्षा के दौरान दिए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सरपंच एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ समन्वय बनाकर योजनाओं का क्रियान्वयन करें। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि बगैर देरी के पानी की समस्या का निदान किया जाये। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर लूप लाइन डालें। साथ में बूस्टर पंप भी लगाएं, जिससे कि ग्रामवासियों को प्रेशर के साथ पानी उपलब्ध हो सके। मंत्री श्री राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र की एक-एक ग्राम की समीक्षा करते हुए सरपंच, संबंधित निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा की, उनकी समस्या सुनी और उनका निदान करने के भी निर्देश दिए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सभी सरपंच अपने ग्राम की इस प्रकार की कार्य योजना तैयार करें जिस प्रकार वह अपने घर की योजना तैयार करते हैं और उसी तरह कार्य करें। उन्होंने कहा कि नल-जल योजना के कार्य पूरा होने पर ग्राम पंचायत स्तर पर 100 रुपए प्रति घर कनेक्शन के हिसाब से किराया लें और उसका संधारण करें। उन्होंने कहा कि सरपंच यह भी देखें कि ग्राम की नल-जल योजना क्षतिग्रस्त न हो पाए और कोई भी सामग्री चोरी न जाए और यदि ऐसा होता है तो तत्काल एफआईआर करायें।

अहमदाबाद-दानापुर समर स्पेशल ट्रेन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गर्मियों की भीड़भाड़ और यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए रेलवे ने अहम फैसला लिया है। पश्चिम रेलवे द्वारा गाड़ी संख्या 09407/09408 अहमदाबाद-दानापुर-अहमदाबाद साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन को विशेष किराए पर सात-सात ट्रिप्स के लिए चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन का संचालन मई और जून के दौरान किया जाएगा, जिससे विशेष रूप से बिहार और मध्यप्रदेश के यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा। ट्रेन का संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा और सतना पर विशेष ठहराव रहेगा। इस ट्रेन का ठहराव नाडियाड, छायापुरी, रतलाम, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिबकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशनों पर होगा।

भारत केंद्रित शिक्षा के लिए, शिक्षा में भारतीय ज्ञान परपरा के समृद्ध समावेश की आवश्यकता : उच्च शिक्षा मंत्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने शनिवार को भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) के सभागृह में, युवा सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए आयोजित दो सप्ताह के दक्षता निर्माण कार्यक्रम के समारोप सत्र में सहभागिता की। इस अवसर पर मंत्री श्री परमार ने प्रतिभागी प्राध्यापकों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत की गृहणियों की रसोई में कोई तराजू नहीं होता है,

गृहिणियों को भोजन निर्माण के लिए किसी संस्थान में अध्ययन करने की आवश्यकता नहीं होती है। भारतीय गृहिणियों में रसोई प्रबंधन का उत्कृष्ट कौशल, नैसर्गिक एवं पारम्परिक रूप से विद्यमान है। भारत की रसोई, विश्वमंच पर प्रबंधन का उत्कृष्ट आदर्श एवं श्रेष्ठ उदाहरण है। भारतीय समाज में ऐसे असंख्य संदर्भ, परम्परा के रूप में प्रचलन में हैं। हमारे समाज में विद्यमान परम्परागत ज्ञान पर, गर्व के भाव के साथ अध्ययन, शोध एवं अनुसंधान करके दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि कृतज्ञता का भाव, भारत की सभ्यता एवं विरासत है।

किसी के कार्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करना, कृतज्ञता भाव रूपी भारतीय दर्शन का उत्कृष्ट उदाहरण है। श्री परमार ने कहा कि पेड़ों, जलस्रोतों सूर्य आदि प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों के पूजन एवं उपासना की पद्धति भारतीय समाज में परंपरागत रूप से विद्यमान है। यह परंपरा प्रकृति सहित समस्त ऊर्जा स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए, उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का भाव है।

फिल्म का प्री और पोस्ट प्रोडशन भी एमपी में ही पूरा करें -अपर मुय सचिव दुबे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट 2025 में शनिवार को मध्यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक क्षण रहा। मुंबई के नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में डिजिटल सपनों और सिनेमाई दृष्टिकोण के साथ- मध्यप्रदेश = अगला रचनात्मक केंद्र विषय पर एक प्रभावशाली पैनल डिस्कशन आयोजित हुआ। पैनल डिस्कशन ने देश के क्रिएटिव और डिजिटल उद्योग से जुड़े शीर्ष विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर मध्यप्रदेश को एवीजीसी-एक्सआर (एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी) का राष्ट्रीय हब बनाने की दिशा में विचार-विमर्श को

मजबूती प्रदान की। मध्यप्रदेश के अपर मुख्य सचिव आईटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे, प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और निर्देशिका सुश्री एकता कपूर, फिक्की एवीजीसी फोरम व एमसीसीआईए एनिमेशन एंड गेमिंग कमेटी के चेयरमैन श्री आशीष एस. कुलकर्णी, अगस्त मीडिया ग्रुप के फाउंडर एवं सीईओ श्री ज्योर्तिमय सहा और क्रिएटिव लैंड स्टूडियोज़ की सीईओ सुश्री शोभा सेंट चर्चा में शामिल रहे। सत्र का संचालन सुप्रसिद्ध लेखक और पत्रकार श्री नमन रामचंद्रन ने किया। प्रसिद्ध अभिनेता श्री अमित सियाल और श्री शरद केलकर के साथ सभी विशेषज्ञों ने मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन नीति-2025 और मध्यप्रदेश एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी नीति-2025 को रिलॉन्च किया। साथ ही प्रदेश के फिल्म फैसिलिटेशन पोर्टल के सेकंड फेस को लॉन्च किया। सत्र के दौरान अपर मुख्य सचिव आईटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री दुबे ने कहा कि फिल्म निर्माण के दौरान फिल्म शूटिंग के अलावा उसका प्री प्रोडक्शन और पोस्ट प्रोडक्शन भी महत्वपूर्ण कार्य होता है।

जन भागीदारी से जल गंगा संवर्धन अभियान हुआ लोकव्यापी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आहवान पर 30 मार्च से प्रारंभ जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। इसके लिए जन सहभागिता आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान को जन-जन तक पहुंचाने एवं लोकव्यापीकरण के लिये समाज के सहयोग से उपलब्ध जल संरचनाओं जैसे तालाब, पुराने कुंआ, और नदियों में श्रमदान के द्वारा स्वच्छता कार्य किये जा रहे हैं।

झाबुआ में मंत्री सुश्री भूरिया ने किया उदयपुरिया तालाब के जीर्णोद्धार का शुभारंभ झाबुआ का उदयपुरिया तालाब का निर्माण वर्ष 1987 हुआ था। इसकी ऊंचाई 10 मी एवं क्षमता 0.29 एमसीएम है। इस तालाब से वर्तमान में लगभग 45 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत उद?यपुरिया तालाब के गहरीकरण एवं कैचमेण्ट क्षेत्र की साफ-सफाई के काम का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने जोर्णोद्धार कार्य का भूमि-पूजन किया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के दौर में यह हमारा दायित्व है कि प्रकृति संरक्षण के सामुदायिक प्रयास किये जाएं। जल संरक्षण के इस पुनीत कार्य में शासन-प्रशासन के साथ जनभागीदारी आवश्यक है। कलेक्टर नेहा मीणा ने बताया कि विगत वर्ष जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये गये कार्यों से जिले में सिंचाई के लिये पानी की उपलब्धता बनी रही, जिससे इस वर्ष गेहूँ का रकबा 86 हजार हेक्टेयर से 1.04 लाख हैक्टेयर से अधिक हो गया। देवास जिले में 'जल गंगा संवर्धन' अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के कार्य कराए जा रहे हैं।

एमपी में मंजूरी के 4 दिन बाद तबादला नीति जारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में कैबिनेट की मंजूरी के चार दिन बाद आधी रात को सरकार ने तबादला नीति जारी कर दी है। एक अप्रैल 2024 से 30 अप्रैल 2025 के बीच जिन अधिकारियों-कर्मचारियों का तबादला किया है, उनका ट्रांसफर मुख्यमंत्री की अनुमति के बिना नहीं किया जाएगा। मंगलवार 29 अप्रैल को मोहन कैबिनेट ने तबादला नीति को मंजूरी दे दी थी, लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके आदेश जारी नहीं किए थे। शनिवार और रविवार की रात 12.05 बजे राज्य सरकार ने तबादला नीति जारी कर दी है। इसमें राज्य एवं जिला स्तर पर तबादले के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा नीति जारी की गई है. जिसका पालन सभी विभागों को करना होगा। प्रदेश में 6 लाख 6 हजार नियमित कर्मचारी हैं। नई तबादला नीति में 10त्न का तबादला होना तय माना जा रहा है।

रीवा में बर्न यूनिट में प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा का मिल रहा है लाभ

उप मुख्यमंत्री ने स्किन बैंक का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा में गंभीर रूप से जल जाने से पीड़ित मरीजों के लिए बर्न यूनिट में प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा का लाभ मिल रहा है। रीवा में अन्य जिलों के मरीज भी इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। कुशल चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से मरीजों का उपचार कर उन्हें प्लास्टिक सर्जरी की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। अब रीवा में प्रदेश के तीसरे स्किन बैंक का शुभारंभ हो रहा है। जिसका लाभ भी मरीजों को मिलेगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जाने के कारण दर्दनाक स्थिति में मरीज इलाज के लिए गंभीर हालत में रीवा आते थे। अब उन्हें प्लास्टिक सर्जरी के साथ ही ड्रॉफ्टिंग का उपचार भी मिल सकेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि प्लास्टिक सर्जरी के लिए मरीज पहले महानगरों या विदेश में उपचार के लिए जाते थे। अब रीवा के संजय गांधी अस्पताल में कुशल एमसीएच प्लास्टिक सर्जन अत्याधुनिक मशीनों से प्लास्टिक सर्जरी कर रहे हैं। अब इसके साथ ड्राफ्टिंग का भी उपचार होने लगेगा। श्री शुक्ल ने कहा कि जबलपुर और भोपाल के बाद रीवा में तीसरा स्किन बैंक प्रारंभ हो रहा है। रीवा को मेडिकल हब बनाने के लिए सभी प्रयास जारी हैं। ऑर्गन ट्रांसप्लांट की सुविधा भी मिलने लगेगी। सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि ऑर्गन डोनेशन करने वालों का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा तथा उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस में सम्मानित भी किया जाएगा। गंभीर रोगों के इलाज के लिए सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उपचार की सुविधा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दी जा रही है।

संजय गांधी अस्पताल व जिला चिकित्सालय में भी रोगियों के लिए उपचार की समुचित व्यवस्था कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के प्रति चिंतित है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी उपचार की सभी व्यवस्थाएं व चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के कार्य प्राथमिकता से किए जा रहे हैं। रीवा मेडिकल कालेज के रिनोवेशन के लिए 322 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। जिसके माध्यम से सभी विभागों में अधोसंरचना निर्माण की पूर्ति व उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाएगी। हमारा प्रयास है कि अधोसंरचना के लिए किसी भी तरह की कोई कमी न रहे। छात्रों के लिए हास्टल निर्माण व चिकित्सकों के लिए आवासीय क्वार्टर्स बनाने का कार्य भी प्राथमिकता से किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा सहित प्रदेश के अन्य पुराने मेडिकल कालेजों को सर्व सुविधायुक्त बनाया जा रहा है ताकि उस क्षेत्र के मरीजों को सभी तरह के उपचार की सुविधा मिल सके और उन्हें इलाज के लिए बाहर न जाना पड़े। श्री शुक्ल ने डीन मेडिकल कालेज को निर्देश दिए कि अन्य जो भी आवश्यकताएं हों उनका प्रस्ताव शासन को प्रेषित करें। सभी जरूरतों को प्राथमिकता से पूरा कराया जाएगा। इस अवसर पर डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, डॉ मनोज इंदुरकर सहित चिकित्सक उपस्थित रहे।

शिल्पी प्लाजा के सामने उपभोक्ता काम्प्लेक्स में भड़की आग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के अमहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत शिल्पी प्लाजा के सामने उपभोक्ता कॉम्प्लेक्स में रविवार की सुबह आगजनी की घटना हुई। जिसमें तीनों दुकानों में मिलाकर करीब 30 लाख का नुकसान होना बताया जा रहा है। घटना की सूचना पर अमहिया पुलिस सहित दमकल की टीम मौके पर पहुंची और दुकानदारों की मदद कर आग पर काबू पाया गया। बताया गया है कि सबसे ज्यादा नुकसान अमर ट्रेडर्स का हुआ है। इसके बाद गायत्री पूजन भंडार में भी आग की लपटें पहुंची हैं जहां सामान जलकर खाक हो गया। वहीं युवा मेंस कलेक्शन के शोरूम को भी नुकसान हुआ है। हालांकि यहां आग की लपटें नहीं पहुंची थी, लेकिन धुआं और गर्मी के चलते शोरूम को बड़ा नुकसान हुआ है। बताया गया कि सुबह तकरीबन 9 बजे लोगों ने कॉम्प्लेक्स से धुआं निकलता देखा। जिसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस द्वारा दुकान संचालकों को सूचना देकर मौके पर बुलाया गया और दमकल की मदद से आग पर काबू पाया।

फ्रूटी के पाउच में निकले कीड़े, बिगड़ी बच्ची की हालत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में फ्रूटी के पाउच में कीड़े निकलने की घटना सामने आई हैं। जिसके सेवन से एक मासूम बच्ची की हालत बिगड़ गई। हालांकि अब वह खतरे से बाहर है। पीड़ित परिजन इस मामले में खाद्य विभाग से कारवाई की मांग कर रहे हैं। घटना को लेकर गुल्लू खान निवासी घोघर ने बताया कि वह अपनी बेटी के लिए गुड़हाई बाजार से चिकान मोहल्ला स्थित अहमद की दुकान से फ्रूटी लाये थे। उनकी बच्ची जब फ्रूटी पी रही थी तो पाइप में अचानक कचरा फंस गया, जब उन्होंने पाइप को बाहर निकालकर देखा तो उसमें कीड़े निकल रहे थे, जिसे वह तत्काल लेकर दुकानदार के पास पहुंचे, तो उन्होंने फ्रूटी बदलने की बात कही। गुल्लू खान ने कहा कि वह चाहते हैं कि किसी और के बच्चे के साथ इस तरह की घटना न हो, इसलिए वह खाद्य विभाग से कारवाई की मांग की है। बताया गया है कि फ्रूटी 31 दिसंबर 2024 की पैकिंग है, जिसकी एक्सपायरी डेट 28 मई 2025 है। लेकिन एक्सपायरी से पहले ही फ्रूटी में कीड़े निकलना कहीं ना कहीं लापरवाही को दर्शाता है।

जिले में समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन का अंतिम दिन आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। शासन द्वारा गेंहू उपार्जन के लिए 5 मई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि गेंहू उपार्जन की अंतिम तिथि समीप आने से खरीदी केन्द्रों में बड़ी संख्या में किसान आ सकते हैं। सभी खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू का तत्काल उठाव कराकर सुरक्षित भण्डारण कराएं। गोदाम स्तरीय खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू की स्टैगिंग कराएं जिससे अतिरिक्त स्थान उपलब्ध हो सके। जिन गोदामों में धान का भण्डारण है वहाँ से मिलर्स को मिलिंग के लिए धान का उठाव कराएं जिससे गेंहू का भुगतान किया जा सके। खरीदी केन्द्रों में उपार्जित गेंहू की गुणवत्ता की कड़ी निगरानी रखें। कलेक्टर ने जिला महाप्रबंधक सहकारी बैंक को किसानों को समय पर भुगतान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिला महाप्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम गोदामों में भण्डारण के लिए गेंहू के पहुंचते ही तत्काल बिल जनरेट करें जिससे किसानों को भुगतान में किसी तरह की देरी न हो।

भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि कायस्थ समाज बुद्धजीवी समाज के तौर पर अपनी पहचान रखता है। इस समाज के लोग पढ़े-लिखे और संस्कारित होते हैं। जो समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। श्री शुक्ल चित्रांश परिवार द्वारा आयोजित भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रांश परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिवर्ष आने का अवसर मिलता है। इस प्रकार के आयोजन समाज को दिशा देने और सशक्त करने का माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा कि रीवा का विकास सभी के सहयोग से ही संभव हो रहा है। श्री शुक्ल ने कायस्थ समाज द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया तथा वरिष्ठ नागरिक का सम्मान किया।

ई केवाईसी में लापरवाही पर आठ सचिव और सात रोजगार सहायक पर कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में चल रहे समग्र ई.के.वाई.सी. अभियान में प्रशिक्षण एवं निर्देश देने के बाद भी समग्र ई.के.वाई.सी. अभियान में लापरवाही बरतने पर एस.डी.एम. त्योंथर संजय कुमार जैन ने त्योंथर जनपद की ग्राम पंचायत पटहटकला सचिव बृजेश सिंह, रायपुर ग्राम पंचायत सचिव उमेश त्रिपाठी, रेही ग्राम पंचायत सचिव रामसुंदर जायसवाल, ककरहा ग्राम पंचायत सचिव हरिशंकर शुक्ला, नौवस्ता ग्राम पंचायत सचिव रोहित तिवारी, लखवार ग्राम पंचायत सचिव नथई यादव, टगहा ग्राम पंचायत सचिव छत्रपाल सिंह और सोनौरी ग्राम पंचायत में पदस्थ सचिव राजेंद्र त्रिपाठी और पट्हटकला ग्राम रोजगार सहायक बृजेश तिवारी, रायपुर ग्राम पंचायत रोजगार सहायक नीलकमल गौतम , नौबस्ता उमा पाण्डेय, लखवार अनुराग तिवारी, टंगहा कृष्णपाल सिंह, रेही बाग़िश द्विवेदी सहित सोनौरी ग्राम पंचायत रोजगार सहायक अजय सिंहपर कार्यवाही के लिए जिला पंचायत को पत्र लिखा है। जिसमें ई के वाईसी कार्य में रुचि न रखने लापरवाही बरतने पर पर नाराज होकर एसडीएम ने पत्र लिखा ज्ञात हो कि शासन स्तर से समग्र ई.के.वाई.सी. अनिवार्य की गई है, क्योंकि समग्र ई.के.वाई.सी. के बिना हितग्राही म.प्र. शासन की किसी भी योजना का लाभ प्राप्त नहीं कर सकेगें।

समग्र ई.के.वाई.से योजनाओं की पारदर्शिता बनेगी एवं अपात्र लाभ नहीं ले पाएंगे। वही त्योंथर जनपद पंचायत सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अरविंद तिवारी ने बताया समग्र ई.के.वाई.सी. हेतु शासन स्तर से दिनाकं 01 अप्रैल 2025 से 30 मई 2025 तक गांव गांव में कैम्प लगाकर समग्र ई.के.वाई.सी. कार्य किया जा रहा है और त्योंथर जनपद पंचायत के हर ग्राम पंचायत के लोगों बढ़ चढ़कर ईकेवाईसी कराने अपील की हे।

भूमि पर दबंगों ने किया अतिक्रमण फरियादी की पुस्तैनी भूमि पर आने-जाने का मार्ग हुआ बंद

न्याय के लिए तीन साल से दर दर भटक रहा फरियादी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के त्योंथर तहसील के चंदई गांव में नेशनल हाइव 30 रीवा प्रयागराज सड़क मार्ग पर शासन की अधिग्रहित भूमि अर्थात सड़क की पटरी पर गांव के दबंगों ने अतिक्रमण कर लिया जिसके कारण पीड़ित त्रिपुष्कर शुक्ला के पुस्तैनी भूमि पर आने जाने मार्ग बंद हो गया वही इसी भूमि आराजी नंबर 18/12 रकवा 0.0040हेक्टेयर पर भूमिस्वामी राजदुलारी गुप्ता को शासन ने बकायदा तीन लाख 42 हजार मुआवजा भी दिया पर जैसे ही सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हुआ तो राजदुलारी गुप्ता और उसके पुत्रों के द्वारा पटरी पर अतिक्रमण कर लिया गया जिसकी शिकायत पीड़ित त्रिपुष्कर शुक्ला के द्वारा सन 2022 से लगातार एस डी एम कार्यालय से लेके कलेक्टर कार्यालय तक में की गई है पर कोई निदान नहीं हुआ वही पीड़ित त्रिपुष्कर शुक्ला ने बताया अब मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अधिग्रहित भूमि सड़क पटरी पर भवन निर्माण कर लिया गया है जब शुरुआती दौर पर दबंग परिवार द्वारा अतिक्रमण करने की नींव रखी गई थी तबसे लेके आज भवन निर्माण तक में कोई भी एस डी एम,तहसीलदार, एमपी आर डी सी से लेके कलेक्टर कार्यालय तक गुहार लगाई पर रीवा जिला का पूरा प्रशासनिक अमला अतिक्रमण रोकने की बजाय अतिक्रमण कराने में जैसे जुटा रहा हो यहां तक कि जनपद पंचायत त्योंथर कार्यालय के पंचायत सचिव, रोजगार सहायक ने मध्यप्रदेश शासन सड़क की अधिग्रहित भूमि पर ही प्रधान मंत्री आवास योजना का लाभ दिला कर उसी में निर्माण कर शुरू करा दिया जिसकी भी शिकायत की गई पर प्रशासनिक अधिकारियों का अतिक्रमण हटाने की बजाय अतिक्रमण कराने का जैसे लक्ष्य हो पर लगातार अतिक्रमण बढ़ते जाने पर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह पर सवाल उठ खड़े हो गए पर देखना होगा कि आगे क्या कार्यवाही होती है या फरियादी त्रिपुष्कर शुक्ला सिर्फ न्याय के लिए तहसील से लेके जिला कार्यालय तक सिर्फ चक्कर लगाते रहेंगे।

कलेक्टर 7 को करेंगी टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा . कलेक्टर प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 7 मई को टीएल बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में शाम 4 बजे से आयोजित बैठक में कलेक्टर टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करेंगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अब तक समर्थन मूल्य पर 75343.79 टन हुई गेंहू की खरीद

रीवा . किसानों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य देने के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर पंजीकृत किसानों से गेंहू का उपार्जन किया जा रहा है। अब तक 13942 किसानों से 75343.79 मीट्रिक टन गेंहू का उपार्जन किया गया है। गेंहू उपार्जन की अंतिम तिथि 5 मई है। यह जानकारी जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने दी।

मऊगंज में जमीनी विवाद में भाई के परिवार पर किया हमला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के अमूखर गांव में जमीनी विवाद के चलते छोटे भाई ने बड़े भाई और उसकी पत्नी सहित बेटा-बेटी पर लाठी डंडे और फरसे से हमला कर दिया। इस दौरान तीन लोगों को गंभीर चोट आई है जिन्हें उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में घायल श्यामवती चौबे ने बताया कि वैवाहिक कार्यक्रम के चलते 5 दिन पूर्व वह अपने गांव पति केशव चौबे और बेटा-बेटी सहित बहू के साथ आई थी जहां बाथरूम बनवाने के लिए खेत में गड्ढा करा रही थी. इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले देवर ने काम रोक दिया और गाली गलौज करने लगे। महिला जब तक कुछ समझ पाती तब तक आरोपियों ने लाठी-डंडे से उस पर हमला कर दिया। इस बीच पत्नी को बचाने पहुंचे पति और बेटे पर भी जख्मी कर दिया। साथ ही बेटी और बहू के साथ भी मारपीट की गई।

आउटसोर्स कर्मचारियों की मांग के समर्थन में अगस्त क्रांति मंच

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में मजदूरों की तरह काम करने बाले बिजली विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों को भी रिश्वतखोरों नही बख्सा और उनकी नौकरी छीन ली गयी। अन्याय पूर्ण कार्यवाही के खिलाफ 1 मई स धरना में बैठे आउटसोर्स कर्मचारियो का साथ अगस्त क्रांति मंच का मिला । जिनके समर्थन में 2 मई से अगस्त क्रांति मंच फाउंडेशन के बैनर तले विद्युत विभाग के 23 आउटसोर्स कर्मचारियो ने रीवा कमिश्नर कार्यालय के सामने आमरण शुरू है। आउटसोर्सिंग पर काम करने वाले निकाले गए युवाओ के साथ हो रहे अन्याय को लेकर अगस्त क्रांति मंच के संयोजक कुंज बिहारी तिवारी का चौथे दिन आमरण अनशन जारी है जहा भीषण गर्मी के कारण आमरण अनशनकारी प्रमोद चतुर्वेदी और मनोज कुमार वर्मा और गौरव तिवारी की तबीयत खराब हो गयी। लेकिन प्रशासनिक अमला बेखबर है। और अधिकारी दोषी अधिकारियों को बचाने के लिये निर्दोषों की बलि ली जा रही है अगस्त क्रांति मंच के संयोजक कुंज बिहारी तिवारी ने कहा है कि प्राण देकर भी अगर न्याय मिलता है तो हम उसके लिए तैयार हैं।

बांस बल्ली के सहारे के त्यौंथर डिविजन में विद्युत व्यवस्था

पिता-पुत्र की जोड़ी राजस्व में पहुंचा रहे नुकसान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्यौंथर तहसील में वैसे तो शासन की योजनाओं को शायद ऐसा कोई भी विभाग हो जो योजनाओं को पतीला न लगाया जाता हो पर त्योंथर डिविजन के रायपुर सोनौरी डीसी का विद्युत वितरण केंद्र हमेशा सुर्खियों में रहता है वो भी रहे भी क्यों नहीं क्योंकि जीवन का बिजली महत्वपूर्व हिस्सा जो बन चुका है त्योंथर डिविजन की रायपुर डीसी में पदस्थ कनिष्ठ यंत्री और उनके पुत्र हमेशा अपने कार्यों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं उसका कारण कुछ और नहीं बल्कि डिविजन के मालिक कार्यपालन अभियंता का सीधा संरक्षण है यहां अगर किसी का घरेलू बिल ज्यादा आ गया हो तो कनिष्ठ अभियंता और उनके पुत्र से बकायदे लिफाफा लेकर मिलना होता है कनिष्ठ यंत्री के पुत्र की पोस्टिंग तो आउटसोर्स हेल्पर के तौर में की गई पर पिता जी जेई है तो फील्ड की जगह ऑफिस में डीलिंग चलती है ।

यहां तक कि सूत्रों की माने तो रायपुर बाजार में लगभग पचास अधिक दुकानों को कमर्शियल की जगह घरेलू बिल दिया जा रहा है और शासन को सीधे पिता-पुत्र की जोड़ी राजस्व में नुकसान पहुंचा रहे हैं वहीं अगर इलाके की विद्युत व्यवस्था की बात करे तो जब से कनिष्ठ अभियंता अवनीश तिवारी जी पदभार ग्रहण किए हैं तबसे विद्युत व्यवस्था पर ग्रहण सा लग गया है लोग कनिष्ठ अभियंता के कार्यशैली से परेशान हैं कई बार शिकायत भी किए पर कोई निदान नहीं निकल पा रहा वही मध्यप्रदेश सरकार विद्युत व्यवस्था सुधारने को लेकर तरह योजना भी चला रही है पर कनिष्ठ अभियंता और उनके पुत्र के द्वारा योजनाओं में पतीला लगाया जा रहा आज की तारीख पर हर गांव में केवलीकरण का कार्य जोरो पर हो रहा है पर अमिलिया से कोराव मार्ग पर जर्जर अवस्था में केबिल शोभा बढ़ा रही है वही गांव के लोगों ने बताया कि कागजों पर केबलीकरण हो गया है कई बार केबल को बदलने की कनिष्ठ अभियंता से शिकायत भी की पर कोई निदान नहीं हुआ वही कनिष्ठ अभियंता के कार्यप्रणाली से नाराज होकर रायपुर सोनौरी डीसी के उपभोक्ता जल्द ही बड़े स्तर पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है ।

जब इस पूरे मामले पर कार्यपालन अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह से संपर्क करने की कोशिश की गई पर कार्यपालन अभियंता फोन ही नहीं रिसीव किए पर देखना होगा कि कब तक रायपुर सोनौरी डीसी के लोगों समस्या का हल होता है या इसी तरह पिता पुत्र की जोड़ी इलाके के लोगों को परेशान करती रहेगी

मऊगंज में तिलकोत्सव के दौरान जमकर मारपीट, महिला गंभीर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के ग्राम घूरेहटा बड़ा टोला में तिलक कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद में एक महिला प्राणघातक हमले में गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मऊगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में राजनंदन साकेत ने बताया कि ग्राम घूरेहटा बड़ा टोला निवासी गुलाबकली साकेत पड़ोस में ही तिलक कार्यक्रम में शामिल होने गई थी, जहां तिलक के दौरान कुछ लोग शराब के नशे में एक लड़के से मारपीट कर रहे थे, जिन्हें कई महिलाओं ने मिलकर रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने डंडे से हमला कर दिया। इस दौरान गुलाबकली के सिर पर गंभीर चोट आ गई। जिससे वह घटना स्थल पर ही अचेत होकर गिर पड़ी। जिन्हें तत्काल उपचार के लिए मऊगंज अस्पताल लाया गया है जहां से देर रात उन्हें रीवा रेफर कर दिया गया।

विचार

चीन और पाकिस्तान के बीच गुप्त रक्षा संधि?

बुल्गारिया की रक्षा वेबसाइट मिल्ट्री.कॉम की ताजा रिपोर्ट ने भारत की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन और पाकिस्तान के बीच एक गुप्त समझौते पर बातचीत चल रही है। इस समझौते के तहत चीन, पाकिस्तान को रूस निर्मित एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की तकनीकी जानकारी देगा। यह वही एस-400 प्रणाली है। जिसे भारत ने रूस से 5.43 अरब डॉलर में खरीदा था। भारत ने इस तकनीकी से निर्मित विमान एवं सुरक्षा उपकरण चीन तथा पाकिस्तान की सीमा सुरक्षा एवं चुनौतियों से निपटने के लिए तैनात किया है। चीन को भी रूस नेएस-400 एयर डिफेंस दिया है। अगर यह जानकारी चीन द्वारा पाकिस्तान को लीक होती है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान की वायु सेना मजबूत हो जाएगी। भारतीय वायु सेना का सुरक्षा कवच कमजोर हो जायेगा। पाकिस्तान बरावरी के मुकाबले में आकर भारत के सामने खड़ा हो जाएगा। चीन पहले से स-400 का उपयोग कर रहा है। चीन और भारत एस 400 की बेहतरी और कमजोरियों से भली-भांति परिचित हैं। यदि चीन ने पाकिस्तान को इसकी रडार फ्रीक्वेंसी, ब्लाइंड स्पॉट और जामिंग तकनीक की जानकारी दे दी, तो भारत के सैन्य मिशनों और रणनीतिक संतुलन के लिए भारत के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। यह मुद्दा केवल सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक और आर्थिक रूप से भारत के लिए कई चुनौतियों को खड़ा करेगा। भारत रूस का परंपरागत सहयोगी रहा है। वर्तमान स्थिति में रुस, अमेरिका चीन और पश्चिमी देशों की ओर झुक रहा है। वर्तमान में चीन का झुकाव भी पाकिस्तान की ओर बढ़ा है। भारत की सीमा चीन और पाकिस्तान से लगी हुई है। ऐसी स्थिति में चीन संतुलन बनाए रखने के लिए पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मजबूत बनाने का जो काम कर रहा है। वह भारतीय हितों को बुरी तरह से प्रभावित करने वाला है। रूस ने एस 400 को लेकर भारत के साथ किये गये समझौते की अनदेखी की, तो भारत की रक्षा नीति को गहरा आघात लगेगा। वैश्विक हथियार नीति के 'एंड यूजर एग्रीमेंट' पर सवाल खड़े होंगे। वर्तमान स्थिति में जिस तरह की हालत देखने को मिल रही है। उसमें एग्रीमेंट का कोई बहुत ज्यादा महत्व नहीं रहा। सारी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अपना वजूद खो चुकी हैं। भारत सरकार को इस रिपोर्ट की गंभीरता को समझना होगा। चीन पाकिस्तान के साथ रक्षा और एस 400 को लेकर यदि कोई समझौता करता है।ऐसी स्थिति में भारत को रूस से औपचारिक आपत्ति और कूटनीतिक दबाव बनाकर एस-400 की गोपनीयता सुनिश्चित करने का दबाव बनाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो भारत के अरबों डॉलर खर्च करके जो सैन्य उपकरण खरीदे है। वह सुरक्षा व्यवस्था बेमानी साबित हो सकती है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती रुपए की ताकत एवं भारत में बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार

दिनांक 7 फरवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत सबसे निचले स्तर अर्थात 87.44 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई थी। इसके बाद धीरे धीरे इसमें सुधार होता हुआ दिखाई दिया है एवं अब दिनांक 30 अप्रैल 2025 को यह 84.50 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं दिनांक 18 अप्रेल 2025 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेज गति से आगे बढ़ता हुआ 68,610 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है और यह दिनांक 27 सितबर 2024 के उच्चतम स्तर 70,489 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के बहुत करीब है।

भारतीय रुपए की मजबूती एवं विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब विश्व के समस्त देश अमेरिकी प्रशासन के टैरिफ युद्ध का सामना करते हुए संकट में दिखाई दे रहे हैं। परंतु, भारत पर टैरिफ युद्ध का असर लगभग नहीं के बराबर दिखाई दे रहा है।

यह भी सही है कि हाल ही के समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ा है और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स लगभग 109 के स्तर से नीचे गिरकर दिनांक 30 अप्रेल 2025 को 99.43 के स्तर पर आ गया है। शायद अमेरिका भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को कम करना चाहता है ताकि अमेरिका में आयात महंगे हों एवं अमेरकी निर्यातकों को अधिक लाभ पहुंचे। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव के बढ़ने से सोने की कीमतों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और यह दिनांक 22 अप्रैल 2025 को अपने उच्चतम स्तर 3500 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स पर पहुंच गई थी। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार भी धराशायी हुआ है और डाउ जोंस एवं अन्य इंडेक्स में भारी गिरावट दर्ज हुई है। अब ऐसा आभास हो रहा है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध छेड़े गए टैरिफ युद्ध का विपरीत असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर होता हुआ दिखाई दे रहा है।

भारतीय रुपए के मजबूत होने के चलते भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक एक बार पुन: अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं एवं पिछले लगातार 8 दिनों से इन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की भारी मात्रा में खरीद की है। जबकि, सितम्बर 2024 के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना निवेश निकाल रहे थे और इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री भारतीय शेयर बाजार में की है। जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स में लगभग 3500 अंकों की भारी गिरावट दर्ज हुई थी। परंतु, भारतीय संस्थागत निवेशकों, भारतीय म्यूचअल फण्ड एवं खुदरा निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाकर भारतीय पूंजी बाजार को सम्हालने में मदद की है अन्यथा भारतीय शेयर बाजार क्रेश हो गया होता। परंतु, अब भारतीय शेयर बाजार में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है एवं अब एक बार पुन: यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही के समय में निफ्टी इंडेक्स में लगभग 1500 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के विदेशी व्यापार में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विभिन्न देशों को भारत से निर्यात 5.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 82,093 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं वहीं अन्य देशों से भारत में होने वाले आयात 6.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91,519 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि दर अधिक रही है जिसके चलते भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 9,426 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। व्यापार घाटे के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ा और रुपया कमजोर हुआ। भारत में कच्चे तेल एवं स्वर्ण का आयात भारी मात्रा में होता है। मुख्य रूप से इन्हीं दो मदों की कीमतें भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ीं थी, जिसका प्रभाव भारत में अधिक आयात के रूप में दिखाई दिया है। परंतु, अब हर्ष की बात है कि कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल से घटकर लगभग 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल पर नीचे आ गई है और स्वर्ण के महंगे होने के चलते स्वर्ण का आयात भी कुछ कम हुआ है। उक्त दोनों घटनाओं के परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भले स्थितियां ठीक नहीं दिखाई दे रहीं है, परंतु भारत में आंतरिक मजबूती के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, स्टैंडर्ड एवं पूअर आदि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में विकसित हो रही विपरीत परिस्थितियों के बीच भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की है। जबकि यूरोप के कुछ देशों यथा जर्मनी, कनाडा आदि एवं ब्रिटेन तथा अमेरिका में मंदी की सम्भावनाएं स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका में तो वर्ष 2025 की प्रथम तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में आर्थिक विकास दर में 0.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। लगभग यही हाल यूरोप के कई देशों तथा जापान आदि का है। चीन की आर्थिक विकास दर में भी गिरावट आती हुई दिखाई दे रही है। यदि जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं में वर्ष 2025 एवं 2026 में गिरावट दर्ज होती है और भारतीय अर्थव्यवस्था 6 प्रतिशत की विकास दर हासिल कर लेती है तो बहुत सम्भव है कि वर्ष 2025 में जापान एवं वर्ष 2026 में जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व में अमेरिका एवं चीन के बाद तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ने के पीछे भारत की आंतरिक मजबूती मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई दे रही है। भारत में अभी हाल ही में महाकुम्भ मेला सम्पन्न हुआ है, इस महाकुम्भ में लगभग 66 करोड़ भारतीय मूल के नागरिकों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी मात्रा में नागरिकों के यहां पहुंचने से भारतीय अर्थव्यवस्था को बल ही मिला है।

महाकुम्भ में भाग ले रहे प्रत्येक नागरिक ने औसत रूप से यदि 2000 रुपए भी प्रतिदिन खर्च किए हों और प्रत्येक नागरिक ने औसतन कुल तीन दिवस भी महाकुम्भ में बिताएं हों तो भारतीय अर्थव्यवस्था को 396,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ पहुंचा है। रोजगार के लाखों अवसर निर्मित हुए हैं, यह अलग लाभ रहा है। आधारभूत सुविधाओं को विकसित किया गया जिसका लाभ आने वाले कई वर्षों तक देश को मिलता रहेगा। देश में धार्मिक पर्यटन भी भारी मात्रा में बढ़ा है जिसका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छे रूप में दिखाई दे रहा है। धार्मिक पर्यटन एवं महाकुम्भ के चलते ही अब यह आंकलन हो रहा है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हो सकती है।

जलसंरक्षण की अनिवार्यता को समझने की जरूरत

जल जीवन का आधार है। मानव जीवन से लेकर पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए जल अनिवार्य है। किंतु जिस संसाधन पर जीवन आधारित है, उसी का अत्यधिक दोहन और प्रदूषण करते आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, आज भी लगभग दो अरब लोग सुरक्षित पेयजल से वंचित हैं। भारत में भी कई राज्य गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। जल की कमी का प्रमुख कारण असंतुलित उपभोग, भूजल का अंधाधुंध दोहन, शहरीकरण और औद्योगिकीकरण है। कृषि में पारंपरिक सिंचाई पद्धतियों के कारण भी जल की बर्बादी होती है। साथ ही, प्लास्टिक और रसायनों से जल स्रोतों का प्रदूषण चिंता का विषय है।

प्रो. रवीन्द्र नाथ तिवारी
प्राचार्य, शा. आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा

भारतीय संस्कृति में जल को पवित्र माना गया है। नदियों को माँ का स्थान दिया गया है, कुंभ जैसे पर्वों में जल का आध्यात्मिक महत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। भारतीय ऋषि-मुनियों ने पंचतत्वकृपृथ्वी (क्षिति), जल, अग्नि (पावक), वायु (समीर) और आकाश (गगन)कृको जीवन का आधार माना है। वेदों, उपनिषदों और पुराणों में इन तत्वों की शुद्धता और संतुलन बनाए रखने की शिक्षा दी गई है। पेड़-पौधों, नदियों, पर्वतों, पशु-पक्षियों आदि को देवी-देवताओं का रूप मानकर उनकी पूजा और रक्षा की परंपरा बनाई गई, जिससे स्वाभाविक रूप से पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित हो सके। प्राचीन समय में 'पानी रोको, पानी बचाओ' की परंपरा कुएँ, तालाब, बावड़ियों और वर्षा जल संचयन के माध्यम से निभाई जाती थी। परंतु आज के परिप्रेक्ष्य में स्थिति गंभीर होती जा रही है। भोगवादी संस्कृति, अनियंत्रित औद्योगिकीकरण और संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण पर्यावरणीय संकट गहराता जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में प्रति वर्ष होने वाली एक-चौथाई अकाल मौतें और बीमारियाँ पर्यावरणीय क्षति और प्रदूषण के कारण होती हैं। वायु प्रदूषण से प्रतिवर्ष लगभग 6 से 7 मिलियन लोगों की मृत्यु हो जाती है, जबकि जलजनित रोगों से लगभग 1.4 मिलियन मौतें होती हैं। भारत में प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता वर्ष 1951 में जहाँ 5,177 घन मीटर थी, वह 2021 तक घटकर 1,486 घन मीटर रह गई, और 2030 तक इसके 1,367 घन मीटर तक पहुंचने की आशंका है दृ जो卐जल तनाव卐 की श्रेणी में आता है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, देश के 21 प्रमुख शहरों में भूजल 2025 तक पूरी तरह समाप्त हो सकता है। भारत में लगभग 70 प्रतिशत जल स्रोत प्रदूषित हो चुके हैं। चेन्नई में 2019 में चारों प्रमुख जलाशय सूख गए थे। बेंगलुरु अपने झीलों के अतिक्रमण और अवैज्ञानिक बोरवेल उपयोग के कारण जल संकट का सामना कर रहा है। दिल्ली में गर्मियों के मौसम में जल कटौती आम हो चुकी है। देश के करीब 60 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में जल संकट से प्रभावित हैं।

सरकार द्वारा 卐जल जीवन मिशन卐 जैसे अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसी अनुक्रम में पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मध्य प्रदेश शासन ने 30 मार्च 2025 को क्षिप्रा नदी तट से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की, जो 30 जून 2025 तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य राज्य के शहरी क्षेत्रों में नदियों, तालाबों, कुओं, बावड़ियों जैसे पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण और पुनरुद्धार है। स्वच्छ भारत मिशन-2.0 के तहत गंदे जल नालों को शुद्ध करने, पेयजल सुविधाएं बढ़ाने और वर्षा जल संचयन प्रणाली को प्रोत्साहित करने की योजना है। जल संरचनाओं के आसपास हरित पट्टी विकसित की जाएगी और खुदाई से प्राप्त मिट्टी किसानों को दी जाएगी। अभियान में नागरिकों, विशेषकर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। गंगा दशहरा जैसे पर्वों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और वृक्षारोपण के आयोजन से जनजागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। 'जलदूत', 'जल मित्र' और 'अमृत मित्र' जैसे स्थानीय स्वयंसेवक तैयार कर जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा रहा है। यह अभियान प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि आज जल संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बना लें, तो आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाया जा सकता है।

आज आवश्यकता है कि जल संरक्षण को व्यक्तिगत और सामाजिक दायित्व के रूप में स्वीकार करने तथा अपनी पारंपरिक ज्ञान संपदा को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ने की। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण, सूक्ष्म सिंचाई विधियों (ड्रिप व स्प्रिंकलर), जल साक्षरता अभियान तथा जल की पुन:प्रयोग की आदतों को अपनाकर हम जल संकट को कम कर सकते हैं। प्रकृति ने नि:स्वार्थ भाव से मानव सहित समस्त जीवों के लिए संसाधन उपलब्ध कराए हैं। भारतीय संस्कृति इस उदारता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करती है और यह सिखाती है कि हमें प्रकृति और समाज से जो कुछ मिला है, उससे अधिक हमें समाज को लौटाना चाहिए। सनातन धर्म में वर्णित प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता, संरक्षण और त्याग की भावना को अपनाते हुए हम यदि जीवनशैली में उतारें, तो न केवल पर्यावरण संकट को कम किया जा सकता है, अपितु भावी पीढ़ी को एक संतुलित, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य प्रदान किया जा सकता है।

शराब के नशे में कुत्ते के भौंकने पर किया था विवाद

रायपुर में मां-बेटी से भाजपा नेता बोला-रेप करवा दूंगा

डंडे से महिला का सिर फोड़ा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में भाजपा नेता ने मां-बेटी को रेप करवा देने की धमकी दी है। आरोप है कि, जवाहर नगर भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सोनू राजपूत शराब के नशे में कुत्ते भौंकने पर विवाद किया। विवाद बढ़ने पर डंडे से महिला का सिर फोड़ दिया। महिला की शिकायत पर पुलिस में परिवारद्घर दर्ज कर ली है। हालांकि, भाजपा नेता का कहना है कि, उस पर लगे आरोप गलत हैं। मामला गंज थाना क्षेत्र का है।

गंज पुलिस के मुताबिक, रानी गुप्ता ने शिकायत में बताया कि, वो राठौर चौक में रहती है। 2 मई की रात घर पर उसकी मां और वो खाना खाकर सो रहे थे। तभी रात डेढ़ बजे के करीब कुत्तों की मोहल्ले में लगातार भौंकने की आवाज आई। रानी ने घर के बाहर निकल कर देखा तो सोनू राजपूत और मोनू राजपूत दोनों भाई खड़े थे। कुत्तों को बड़े-बड़े पत्थर फेंककर मार रहे थे।

रानी ने जब उन्हें ऐसा करने से मना किया और पूछा कि पत्थर क्यों फेंक रहे हो। तो आरोपियों ने कहा कि, कुत्ते ने मेरे परिवार के बच्चों को काट लिया। तब महिला ने कहा कि, निगम में इसकी शिकायत कर दो। इस बात से आरोपी भड़क गए। उन्होंने कहा कि, तुम ही इन कुत्तों को खाना देती हो। महिला ने कहा कि यह आवारा कुत्ते है मेरे पालतू नहीं। जिस पर दोनों के बीच बहसबाजी होने लगी।

इस बहसबाजी के बाद आरोपियों ने डंडे से महिला के सिर पर हमला कर दिया। जिससे महिला के माथे के बाएं हिस्से में चोट आई है। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने मां-बेटी का घर में घुसकर रेप करवा देने की धमकी दी। इस मामले में महिला ने गंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच कर रही है।

इस मामले में सोनू राजपूत ने कहा कि, महिला ने झूठे आरोप लगाए है। मोहल्ले में कुत्तों ने कई बच्चों को अपना शिकार बनाया है। हमने इसी बात का विरोध किया था। फिलहाल हमारे तरफ से भी महिला के खिलाफ थाने में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है।

रीवा में अधिवक्ताओं का प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मिला, सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अधिवक्ताओं के प्रतिनिधि मंडल ने रामनिवास रीवा मे मुख्यमंत्री जी से मिल कर 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन देकर चर्चा किया है। मांगों मे प्रमुख रूप से रीवा के नवीन न्यायालय भवन मे अधिवक्ताओं की समुचित बैठक व्यवस्था करायी जा कर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय, राज्य उपभोक्ता आयोग की स्वीकृत लिंक कोर्ट रीवा मे शीघ्र संचालित कराई जाय, राजस्व मंडल की सर्किट कोर्ट रीवा मे नियमित संचालित किए जाने सदस्य की पदस्थापना शीघ्र की जाय, नवीन न्यायालय भवन के पास अधिवक्ताओं को 200 चैम्बर्स के लिए एक एकड़ जमीन दी जाय जिससे अधिवक्ता स्ववित्तीय योजना मे चैम्बर्स का निर्माण करा सकें, रीवा मे लॉ यूनिवर्सिटी खोली जाय जिसमे फोरेंसिक, मेडिकल ज्युरिसप्रुडेन्स, साइबर क्राइम आदि महत्वपूर्ण विषयों की कक्षाएं संचालित कराई जांय , न्यायालय जिला उपभोक्ता कोर्ट रीवा, वाणिज्य न्यायालय, श्रम न्यायालय, किशोर न्यायालय, उद्योग न्यायालय, फैमिली कोर्ट अलग अलग जगहों पर संचालित हो रही हैं ,सभी कोर्ट नवीन न्यायालय भवन के पास संचालित कराये जाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल मंडल मे राज्य अधिवक्ता परिषद के पूर्व सदस्य श्री घनश्याम सिंह एड, जिला अधिवक्ता संघ रीवा के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह बघेल, राजकुमार शुक्ला एड, कुंवर बहादुर सिंह एड, जय शंकर प्रसाद मिश्र एड, जानेन्द्र मिश्र एड, राकेश निगम एड आदि शामिल हुए।

समाधान शिविर हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगाई गई ड्यूटी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट ने आदेशानुसार सुशासन तिहार में मिले आवेदनों के निराकरण की आम जनता को जानकारी देने के लिए एमसीबी जिले के तीनों विकासखण्ड क्षेत्रों में 8 अप्रैल 2025 से 11 अप्रैल 2025 तक प्राप्त आवेदन पत्रों के समय-सीमा में निराकरण पश्चात तृतीय चरण 05 मई 2025 से 31 मई 2025 तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाना है। इस कार्य को पूर्ण रूप से संचालित कराने हेतु मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंकिता सोम को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ हेतु खंड स्तरीय नोडल अधिकारी लिंगराज सिदार अनुविभागीय अधिकारी एवं सुश्री वैशाली सिंह को सहायक नोडल अधिकारी, जनपद पंचायत खड़गवां हेतु विजयेन्द्र सारथी को खंड स्तरीय नोडल अधिकारी एवं रूपेश बंजारे को सहायक नोडल अधिकारी तथा जनपद पंचायत भरतपुर हेतु प्रितेश राजपूत को खंड स्तरीय नोडल अधिकारी एवं अजय सिंह राठौर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है ।

समाधान शिविरों हेतु निर्धारित तिथि के साथ नोडल अधिकारी भी हुए नियुक्त

जनपद पंचायत खड़गवां में 9 मई को शिवपुर, 14 मई को रतनपुर, 19 मई को जरौंधा, 22 मई को दुबछोला, 25 मई को कोड़ा एवं 29 मई को आमाडांड ग्राम पंचायतों में समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों के लिए सूरज सिंह, विजय पांडेय, शांतनु प्रजापति, नीरज जायसवाल, बलबिंदर सिंह और पुष्पक पटेल नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं एवं शिविर संचालन की जिम्मेदारी क्रमशः श्रीमती तान्या श्रीवास्तव, राहुल दास, विकास कुमार, श्रीमती उर्मिला, कु. रागिनी सिंह एवं रामनरेश को सौंपी गई है।

जनपद पंचायत भरतपुर में 6 मई को कोटाडोल, 10 मई को कुंवारपुर, 13 मई को देवगढ़, 15 मई को कंजिया, 18 मई को भगवानपुर, 20 मई को माड़ीसरई, 24 मई को मैनपुर, 26 मई को रामगढ़ एवं 30 मई को सेमरिहा में समाधान शिविर आयोजित किए जाएंगे। संबंधित नोडल अधिकारी जयंत चंदेल, गोपाल कारे, महावीर पैकरा, हेमंत बंजारे, परमानंद, विनोद साहू, शिवप्रसाद ध्रुव, ऋषभ बोरकर और विनीत पांडेय होंगे तथा शिविर प्रभारी क्रमशः अशोक साहू, प्रतीक कुमार, नरेंद्र कंवर, पंकज पटेल, चंद्र भूषण पांडेय, विवेकानंद, प्रदीप सिंह, सुमेर सिंह और प्रदीप कुमार होंगे।

जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में 8 मई को केल्हारी, 12 मई को पाराडोल, 16 मई को नागपुर, 23 मई को कछौड़, 27 मई को कठौतिया और 31 मई को पेन्ड्री ग्राम पंचायतों में समाधान शिविर आयोजित होंगे। इनके नोडल अधिकारी क्रमशः रवि गुप्ता, संजय लकड़ा, धर्मेंद्र कुर्रे, सी पी बंजारे, वीरेन्द्र कुमार पांडेय और भूपेन्द्र राज होंगे तथा शिविर प्रभारी महेन्द्र सिंह, अनुप श्रीवास्तव, मुकुल आनंद, राजेश भगत, शैलेन्द्र पांडेय और दीपक सिंह होंगे ।

वहीं विकासखंड स्तरीय नोडल अधिकारी अपने क्षेत्रांतर्गत सभी ग्राम पंचायतों के नोडल अधिकारियों से समन्वय कर आवेदन पत्रों की स्थिति का संकलन करेंगे जिसमें निराकृत आवेदनों, लंबित आवेदनों, गुणवत्तापूर्ण निराकरण एवं हितग्राही को दिए गए लाभ की जानकारी शामिल होगी साथ ही ग्राम पंचायतों की आधारभूत जानकारी भी संकलित की जाएगी शिविर तिथि को सभी शिविरों का संचालन समुचित रूप से कर विभागीय योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा

जादू-टोना के शक में 17 साल की लड़की का मर्डर

कांकेर में लेबर ने पूजा कमरे के पास नाबालिग को कुल्हाड़ी से काटा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में जादू टोना के शक में एक 17 साल की लड़की की हत्या कर दी गई। मामला कांकेर जिले का है। जहां लड़की के घर काम करने आए लेबर ने ही शनिवार को कुल्हाड़ी से वार कर दिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के लारगांव मरकाटोला का है।

जानकारी के मुताबिक, 3 मई को 17 साल की लड़की मीनाक्षी मरकाम घर में अकेली थी। पिता ललता मरकाम अपनी पत्नी बालो बाई और बेटी टिकेश्वरी के साथ गिट्टी लेने गए थे। तीनों सुबह 8 बजे बैलगाड़ी से तुमड़ाबांधा खेत निकले।

जब पिता ललता मरकाम पत्नी और बेटी के साथ साढ़े 10 बजे वापस लौटा, तो उन्होंने देखा कि उसकी बेटी मीनाक्षी पूजा के कमरे के सामने खून से लथपथ पड़ी थी। वहीं, घर में काम करने वाला लेबर तुलसी राम निषाद (ढेकुना निवासी) खून से सनी कुल्हाड़ी लिए वहीं खड़ा था। जब ललता ने हत्या की वजह पूछी तो उसने कहा कि, मीनाक्षी उस पर जादू-टोना कर रही थी, इसलिए हत्या कर दी। मीनाक्षी को लहूलुहान हालत में मां और उसकी बहन ने उठाया तो पता चला कि उसकी सांस चल रही थी। परिवार के लोग उसे तुरंत अस्पताल लेकर अस्पताल पहुंचे लेकिन तब तक मीनाक्षी ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने भी मीनाक्षी को मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना के तुरंत बाद आरोपी कुल्हाड़ी लेकर घर के पीछे बाड़ी की ओर भाग गया। ललता ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह पकड़ में नहीं आया और फरार हो गया। इसके बाद ललता ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच की। पूजा कमरे के सामने खून फैला हुआ था। परिजनों ने खून साफ कर कपड़े और बोरी पूजा रूम के पास रख दिए थे, जिसे पुलिस ने जांच के दौरान जब्त कर लिया। वहीं लड़की के सिर, गाल और कान पर कुल्हाड़ी के गहरे घाव भी मिले। इसके बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और सिदेसर चौक से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

दूसरी घटना सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र के फरसवानी गांव में घटी। यहां पत्नी से मिलने आए जीजा अशोक चंद्रा की उसके साले और एक दोस्त ने डंडे और बेल्ट से पीट-पीटकर हत्या कर दी। अशोक का अक्सर अपनी पत्नी से झगड़ा होता था, जिससे तंग आकर पत्नी मायके चली गई थी। अशोक जब सुलह के लिए ससुराल पहुंचा, तो वहां फिर विवाद हो गया। गुस्से में आकर साले और उसके दोस्त ने अशोक पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डभरा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फॉरेंसिक टीम भी मामले की जांच कर रही है।

बृजमोहन बोले-मरीज को मिल रही तारीख पर तारीख

सीएम को पत्र में लिखा- हार्ट-सर्जरी का फायदा नहीं मिल रहा, घर-जमीन बेचने को मजबूर गरीब

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर से भाजपा के सीनियर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने ष्ट्रूविष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को पत्र लिखा है। सांसद अग्रवाल ने रायपुर में बंद पड़े सरकारी कार्डियक इंस्टीट्यूट को लेकर चिंता जताई है। सांसद ने चिंता जताते हुए अपने आधिकारिक बयान में कहा कि, मरीजों को सिर्फ 'तारीख पर तारीख' मिल रही है।

चिट्ठी में सांसद ने लिखा है कि, यह अत्यंत दुःख का विषय है कि समय-समय पर निर्देश और प्रयासों के बावजूद इस महत्वपूर्ण संस्थान में सर्जरी की सेवाएं बंद पड़ी है। जिस कारण प्रदेश की गरीब जनता जीवनरक्षक इलाज से वंचित रह रही है। निजी अस्पतालों की लूट का शिकार होने को मजबूर है। बृजमोहन ने अपने पत्र में लिखा है कि, पहले स्वशासी परिषद की बैठकों समेत कई मंचों पर इस गंभीर विषय की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया था, लेकिन प्रशासनिक उपेक्षा के चलते आज भी मरीजों को केवल तारीख पर तारीख दी जा रही है। कई मरीज इलाज के अभाव में दम तोड़ रहे हैं, वहीं कुछ गरीब परिवार इलाज के लिए अपना सब कुछ बेच देने को विवश हैं।

सांसद अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि इस विषय पर वरिष्ठ अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक आयोजित कर अविलंब निर्णय लिया जाए, ताकि मेकाहारा रायपुर स्थित कार्डियक इंस्टीट्यूट में गरीब जनता को आवश्यक सर्जरी सुविधा उपलब्ध कराई जा सके और उन्हें जीवनदान मिल सके।

तेलंगाना के डॉक्टर ने रायपुर AIIMS में किया सुसाइड

सुसाइड नोट में लिखा-वर्क प्रेशर, सॉरी मम्मी-पापा, पर्दे के कपड़े का बनाया फंदा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर एम्स में तेलंगाना के डॉक्टर ने सुसाइड कर लिया है। डॉक्टर की उम्र महज 26 साल थी। उसने सुसाइड नोट में लिखा है कि वर्क प्रेशर है, सॉरी मम्मी पापा। फिर उसने अपने कमरे में लगे पर्दे का फंदा बनाया और सीलिंग के सहारे झूल गया। इस मामले में फिलहाल आमानाका पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही है।

आमानाका थाना प्रभारी सुनील दास ने बताया कि डॉक्टर का नाम ए रवि कुमार था। वह एम्स में एमडी फॉरेंसिक साइंस का स्टूडेंट था। शनिवार को उसके दोस्त ने उसे फोन किया था, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। जिसके बाद दोस्त को शक हुआ। तब पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस डॉक्टर के कमरे में पहुंची तो वह भीतर से बंद था। दरवाजा तोड़कर देखा गया तो उसकी लाश सीलिंग से लटक रही थी। डॉक्टर ने पर्दे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर के पास पुलिस को सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। जिसमें वर्क प्रेशर और सॉरी मम्मी पापा लिखा है। घटना के बाद पुलिस ने घर वालों को सूचना दे दी है। पुलिस से कहना कि लाश पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दी जाएगी।

बताया जा रहा है कि मृतक रवि 18 अप्रैल को अपने घर गया था 27 अप्रैल को छुट्टी से वापस आया था। उसकी घरवालों से अंतिम बातचीत 2 मई को हुई थी। परिवार में डॉक्टर पर एक भाई, एक बहन और माता-पिता हैं। परिवार मूल रूप से तेलंगाना के आदिलाबाद का रहने वाला है।

ढुकू प्रथा से बनी पत्नी, प्रताड़ित होकर लगाई फांसी

सरगुजा में लगातार विवाद के कारण कर ली थी आत्महत्या, पति गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। सरगुजा जिले के सुखरी भंडार में युवक के साथ ढुकू प्रथा से पत्नी बनी युवती ने तीन महीने पहले फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने युवती के पति पर आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने का अपराध दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला उदयपुर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उमेश्वरपुर निवासी जानकी सिंह (30) ढुकू प्रथा के तहत सरगुजा जिले के उदयपुर अंतर्गत सुखरी भंडार निवासी सुमार साय के घर आ गई थी। सुमार साय ने उसे पत्नी बनाकर रखा था। 22 जनवरी 2025 को जानकी सिंह ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। युवती के पिता की रिपोर्ट पर उदयपुर पुलिस ने मर्ग कायम किया था।

उदयपुर पुलिस की जांच में पता चला कि सुमार साय लगातार जानकी सिंह से विवाद कर उसे प्रताड़ित कर रहा था। इससे जानकी सिंह परेशान रहती थी। अंततः उसने 22 जनवरी को फांसी लगा ली।

मामले में जांच के बाद पुलिस ने सुमार साय के खिलाफ धारा 108 बीएनएस का अपराध दर्ज किया।

थाना प्रभारी कुमारी चंद्राकर ने सुमार साय (33 साल) को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसे कोर्ट में पेश किया। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

माड़ीसरई में बाजार में किया गया स्वच्छता श्रमदान का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर जी राहुल वेंकट के दिशा निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ अंकित सोम के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत ग्राम पंचायत माड़ीसरई में बाजार स्थल पर स्वच्छता श्रमदान का आयोजन किया गया इसके साथ ही महिलाओं से आजीविका गतिविधियों के सुचारू क्रियान्वयन लखपति दीदियों के अनुभवों को साझा किया गया स्वच्छता गतिविधियों के बारे में चर्चा की एवं स्वच्छता श्रमदान कर ग्रामीणों से गीला सूखा कचरा पृथक पृथक करने एवं गांव में नियमित साफ सफाई हेतु आग्रह किया सुशासन तिहार अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय निर्माण हेतु आए आवेदन के हितग्राहियों को ले आऊट के माध्यम से शौचालय निर्माण की तकनीकी जानकारी के साथ संधारण संचालन की जानकारी दी गई उक्त आयोजन में एन आर एल एम से जिला कार्यक्रम प्रबंधक रितेश पाटीदार जिला सलाहकार राजेश जैन सहायक विकास विस्तार अधिकारी ऋषि कुमार सरपंच ललन सिंह सचिव वैदेही शरण तिवारी के साथ ब्लॉक समन्वयक सुभाष परस्ते सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे

भारत ने चिनाब नदी का पानी रोका

पहलगाम/नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि सस्पेंड करने के बाद भारत ने चिनाब नदी का पानी रोक दिया है। न्यूज एजेंसी क्क्ष्ड्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू के रामबन में बने बगलिहार बांध से चिनाब का पानी रोका गया है। वहीं कश्मीर में किशनगंगा बांध के जरिए झेलम नदी का पानी रोकने की प्लानिंग चल रही है। उधर एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, पीएम और एयरचीफ मार्शल के बीच पहलगाम हमले को लेकर बातचीत हुई। पहलगाम आतंकी हमले (22 अप्रैल) को 12 दिन हो चुके हैं। पाकिस्तान से तनाव के बीच पीएम मोदी लगातार सेना प्रमुखों से मीटिंग कर रहे हैं, शनिवार को उन्होंने नेवी चीफ से भी मीटिंग की थी। वहीं, पंजाब की अमृतसर पुलिस ने रविवार को 2 जासूसों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कहा कि दोनों सैन्य छावनी और एयरफोर्स बेस की इन्फार्मेशन और फोटोज विदेश भेज रहे थे। ये दोनों पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के ऑपरेटिव हैं।

बद्रीनाथ धाम के कपाट खुले

चमोली (एजेंसी)। बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह 6 बजे खोल दिए गए। मंदिर के रावल (मुख्य पुजारी) ने गणेश पूजा के बाद मंदिर के कपाट खोले। महिलाओं ने लोकगीत गाए। गढ़वाल राइफल्स के बैंड ने पारंपरिक धुनें बजाईं। इसी के साथ चारधाम यात्रा पूरी तरह से शुरू हो गई है। कपाट खुलने के बाद अगले 2 घंटे में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु धाम पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पूजन-दर्शन किए। श्रद्धालु अगले 6 महीने तक भगवान बद्रीविशाल के दर्शन कर पाएंगे। दैनिक भास्कर एप आपको बद्रीनाथ धाम के सबसे पहले दर्शन करा रहा है। 3 मई को भगवान बद्रीविशाल की पालकी, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी, कुबेर और उद्धव की उत्सव डोली धाम पहुंची थी। इससे पहले 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन गंगोत्री-यमुनोत्री धाम और 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खोले गए थे।

भारत ने आईएमएफ बोर्ड से अपने एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर को हटाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने डॉ. कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यम की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत के कार्यकारी निदेशक के रूप में सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। यह फैसला उनके तीन साल के कार्यकाल के खत्म होने से 6 महीने पहले यानी 30 अप्रैल 2025 को लिया गया। आईएमएफ की आधिकारिक वेबसाइट पर 2 मई तक डॉ. सुब्रमण्यम का नाम कार्यकारी निदेशक के रूप में मौजूद था, लेकिन 3 मई से यह पद खाली दिखाया गया है। सुब्रमण्यन को अगस्त 2022 में आईएमएफ बोर्ड में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया था। इससे पहले वे 2018 से 2021 तक भारत सरकार के 17वें मुख्य आर्थिक सलाहकार थे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 अप्रैल को जारी आदेश में कृष्णमूर्ति की तत्काल प्रभाव से सेवाएं समाप्त करने की मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया लॉयर्स चेम्बर एवं मल्टीलेवल पार्किंग का शिलान्यास

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को जबलपुर में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित एक भव्य एवं गरिमामय समारोह में लॉयर्स चेम्बर और मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री जस्टिस सूर्य कांत, श्री जस्टिस जे. के. माहेश्वरी एवं श्री जस्टिस एस. सी. शर्मा, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री जस्टिस सुरेश कुमार कैत, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश श्री जस्टिस संजीव सचदेवा एवं महाधिवक्ता प्रशांत सिंह मौजूद थे। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय परिसर के समीप बनने वाले लॉयर्स चेम्बर एवं मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया गया है। समारोह में एमपी स्टेट बार कॉउंसिल के चेयरमेन श्री राधेलाल गुप्ता, हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, हाईकोट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री डी. के. जैन, मध्यप्रदेश स्टेट बार कॉउंसिल के उपाध्यक्ष श्री आर. के. सिंह सेनी एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल श्री धरमिन्दर सिंह राठौड़ भी उपस्थित थे। इसके पहले समारोह स्थल पहुंचने पर महाधिवक्ता श्री प्रशांत सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

राजस्थान में आंधी-बारिश से टेम्परेचर 10 डिग्री तक गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमपी-राजस्थान के कई जिलों में शनिवार को तेज हवाएं चली और बारिश हुई। यहां तापमान में 10 डिग्री तक गिरावट हुई है। मध्य प्रदेश के भोपाल, इटारसी, छिंदवाड़ा, सिवनी समेत कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हुई।

दिल्ली में शनिवार को भी आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश हुई। इसका असर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कई फ्लाइट्स पर भी पड़ा और दो घंटे तक फ्लाइट ऑपरेशन प्रभावित रहा।

आंध्र प्रदेश के 18 जिलों में आज बारिश के आसार हैं। विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम समेत कई जिलों में सुबह से तेज बारिश हो रही और कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम विभाग के मुताबिक, शहर में 7 मई तक ऐसे ही मौसम की संभावना है।

मौसम विभाग ने बताया उत्तर प्रदेश-बिहार सहित 25 राज्यों में आज आंधी-तूफान के साथ तेज बारिश की चेतावनी है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार और छत्तीसगढ़ के कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होगी।

इन राज्यों में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। बिहार, पूर्वी राजस्थान और पूर्वी मध्य प्रदेश के कई जिलों में ओले गिरने की संभावना भी है। इधर, ओडिशा में भारी बारिश का भी अलर्ट है।

जम्मू-कश्मीर में सेना की गाड़ी हादसे का शिकार

रामबन (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बैटरी चश्मा इलाके में रविवार को सेना का एक वाहन 600 मीटर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में 3 जवानों की मौत हो गई। मृतक जवानों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक, सेना का वाहन जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था। करीब साढ़े 11 बजे जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे 44 पर ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया, जिससे गाड़ी खाई में गिर गई। सेना, पुलिस, एनडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं।

शुक्रवार को रामबन में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ था। सड़क पर मडस्लाइडिंग (कीचड़) के चलते एनएच-44 को दोनों तरफ से बंद कर दिया गया था। प्रशासन ने लोगों को अलर्ट किया था कि हाईवे क्लियर होने की जानकारी मिलने के बाद ही सफर के लिए निकले।

इससे पहले, 4 जनवरी को बांदीपोरा जिले में सेना का ट्रक खाई में गिरने से 4 जवानों की मौत हुई थी। 2 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। ट्रक में 6 जवान ही सवार थे।

भारत की बड़ी कामयाबी : डीआरडीओ ने किया स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने 3 मई को मध्य प्रदेश के श्योपुर परीक्षण स्थल पर एक स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला सफल परीक्षण किया। इस खास प्लेटफॉर्म को आगरा स्थित एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेबलिशमेंट ने विकसित किया है। रक्षा मंत्रालय ने इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि डीआरडीआ ने श्योपुर में इस स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया। यह एयरशिप एक विशेष प्रकार का उपकरण (पेलोड) लेकर लगभग 17 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ा और इसने करीब 62 मिनट तक उड़ान भरी। इस दौरान जो भी डेटा मिला है, उसका इस्तेमाल भविष्य में और भी अधिक ऊंचाई पर होने वाले एयरशिप मिशनों के लिए बेहतर सिमुलेशन मॉडल बनाने में किया जाएगा। उड़ान के दौरान एयरशिप के अंदर दबाव को नियंत्रित करने वाली प्रणाली (एन्क्लोज़र प्रेशर कंट्रोल) और किसी आपात स्थिति में हवा निकालने के सिस्टम (आपातकालीन डिफ्लेशन सिस्टम) की भी जांच की गई। परीक्षण पूरा होने के बाद इस प्रणाली को सुरक्षित रूप से वापस लाया गया। डीआरडीओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह हवा से हल्का (लाइटर देन एयर) सिस्टम भारत की पृथ्वी का अवलोकन करने, खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी करने और टोही क्षमताओं को बहुत बढ़ा देगा।

पंजाब में 2 पाकिस्तानी जासूस गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच पंजाब पुलिस ने 2 पाकिस्तानी जासूस पकड़े हैं। पुलिस के मुताबिक, ये दोनों अमृतसर में आर्मी कैंट और एयरफोर्स बेस से जुड़ी संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तानी भेज रहे थे। इन आरोपियों से एक मोबाइल बरामद हुआ है, जिसमें आर्मी की मूवमेंट और एयरफोर्स बेस की तस्वीरें मिली हैं। ये दोनों अमृतसर की जेल में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ पिट्?टू उर्फ हैप्पी के जरिए आईएसआई से जुड़े हुए थे। आरोपियों की पहचान पलक शेर मसीह और सूरज मसीह के रूप में हुई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि इस मामले में ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। अमृतसर रूरल पुलिस जल्द ही इस बारे में और जानकारी देगी। एसएसपी मनिंदर सिंह ने कहा कि पलक फर्नीचर का काम करता है, जबकि सूरज मजदूरी करता है। इन दोनों के फोन से फोटो और वीडियो मिले हैं। 500 ग्राम हेरोइन के मामले में जेल में बंद हैप्पी के जरिए ये पाकिस्तानी एजेंट्स के संपर्क में थे। एक तस्वीर भेजने के लिए 5 से 10 हजार रुपए लेते थे। आर्मी व एयरबेस के अलावा पुलिस चौकियों की जानकारियां भी पाकिस्तान में भेजी गईं।

प्रियंका गांधी ने दिखाई इंसानियत, काफिला रोक सड़क हादसे में घायलों की मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार रात केरल के ईंगप्पुझा में एक सड़क दुर्घटना देखी, जिसके बाद उन्होंने तत्काल अपना काफिला रुकवाकर घायलों की मदद की। कोझिकोड जिले में हुए इस हादसे में कोयिलांडी के रहने वाले नौशाद और उनके परिवार की कार की दूसरी कार से टक्कर हो गई थी। उसी समय प्रियंका गांधी का काफिला वहां से गुजर रहा था। उन्होंने दुर्घटना देखते ही अपना काफिला रोका और घायलों की स्थिति का जायजा लिया। प्रियंका गांधी ने अपने काफिले में मौजूद डॉक्टर को तुरंत बुलाया और घायलों को प्राथमिक उपचार दिलवाया। इसके बाद उन्होंने एम्बुलेंस में मौजूद मेडिकल टीम को निर्देश दिया कि घायलों को बिना देरी किए अस्पताल पहुंचाया जाए। उन्होंने घायलों से बात की और उन्हें ढांढस बंधाया।

प्रियंका गांधी इन दिनों अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड के तीन दिवसीय दौरे पर केरल में हैं। इस दौरान उन्होंने कई इलाकों का दौरा किया और स्थानीय लोगों से मुलाकात की। कांग्रेस पार्टी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में प्रियंका गांधी घायलों से बातचीत करती और उन्हें सांत्वना देती हुई दिखाई दीं। उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों से भी घटना की जानकारी ली और डॉक्टरों को हर संभव सहायता देने का निर्देश दिया।

असम में पाकिस्तान का समर्थन कर रहे दो गिरफ्तार

दिसपुर (एजेंसी)। असम में पहलगाम हमले के बाद सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का समर्थन करने वाले लोगों पर लगातार कार्रवाई हो रही है। असम पुलिस ने शनिवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि भारत की धरती पर पाकिस्तान का समर्थन करने वाले गद्दारों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। अब तक पाकिस्तान का समर्थन करने वाले 39 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने शनिवार की कार्यवाही के बारे में बताया कि 2 लोग होजाई और साउथ सालमारा-मनकाचर जिलों से पकड़े गए हैं। इससे पहले शनिवार शाम में पाकिस्तान का समर्थन करने के लिए एक व्यक्ति को असम के धुबरी जिले से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि उसका नाम अमर अली है। ससे पहले एआईयूडीएफ (ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) पार्टी के विधायक अमीनुल इस्लाम को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

दादा-पत्नी ने लेफ्टिनेंट नरवाल को सैल्यूट किया

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा के करनाल में रविवार को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी गई। डॉ. मंगलसेन ऑडिटोरियम में रखे कार्यक्रम में दादा, माता-पिता, पत्नी और बहन पहुंचे। दादा हवा सिंह और पत्नी हिमांशी ने विनय की फोटो को सैल्यूट किया।

रस्म पगड़ी में विनय की पत्नी हिमांशी भावुक हो गईं। इस दौरान उन्हें ससुर राजेश दिलासा देते नजर आए। बीती 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले में आतंकियों ने शादी के 7वें दिन लेफ्टिनेंट नरवाल की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

कार्यक्रम में सीएम नायब सैनी की पत्नी सुमन सैनी भी पहुंचीं। उन्होंने विनय की फोटो पर फूल चढ़ाने के बाद परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हिमांशी के सिर पर हाथ रखा।

सीमा हैदर पर गुजरात से आए युवक ने हमला किया

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में पाकिस्तानी सीमा हैदर पर युवक ने हमला कर दिया। शनिवार शाम को गुजरात से एक युवक सीमा के घर पहुंचा। आरोप है कि मेन गेट पर जोर-जोर से पैर मारे, फिर अंदर घुसते ही सीमा का गला दबाने लगा। उसने सीमा को तीन-चार थप्पड़ जड़ दिए। घटना से सीमा हैदर घबरा गईं और शोर मचा दिया। शोर सुनते ही उनके परिजन पहुंचे। हमलावर को पकड़ लिया। सीमा हैदर ने अफसरों को घटना की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची। सीमा की सास रितु मीणा की शिकायत पर कोतवाली प्रभारी रबूपुरा सुजीत कुमार ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। आरोपी ने बताया कि सीमा और सचिन का फैन है। सीमा ने उस पर काला जादू कर दिया है। हालांकि, पुलिस मारपीट की बात की पुष्टि नहीं कर रही है। आरोपी युवक की पहचान गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले के टीबी हॉस्पिटल के पास रहने वाले तेजस झानी पुत्र जयेंद्र भाई के रूप में हुई है। युवक गुजरात से ट्रेन के जरिए दिल्ली आया। किसी तरह रबूपुरा स्थिति सीमा हैदर के घर पहुंच गया।

जाति जनगणना पर मोदी सरकार का यू-टर्न? कांग्रेस ने मांगा स्पष्ट जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जाति जनगणना को लेकर यू टर्न लेने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उन्होंने इस विषय पर अपनी नीति आधिकारिक तौर पर बदल दी है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह सवाल भी किया कि क्या जाति जनगणना के लिए कोई समयसीमा तय की गई है? केंद्र सरकार ने हाल ही में फैसला किया कि अगली जनगणना में जातियों की गणना भी की जाएगी। रमेश ने 'एक्स पर पोस्ट किया, जाति जनगणना पर नरेन्द्र मोदी जी के अचानक, पूर्ण और हताशा भरे 'यू-टर्न को लेकर पर्याप्त सबूत हैं।

उन्होंने कहा, पिछले साल, 28 अप्रैल को एक टीवी साक्षात्कार में उन्होंने जाति जनगणना की मांग करने वाले सभी लोगों को अर्बन नक्सल करार दिया था। 20 जुलाई, 2021 को मोदी सरकार ने संसद को बताया कि उसने नीतिगत तौर पर जनगणना में एससी और एसटी के अलावा अन्य जाति-वार जनसंख्या की गणना नहीं करने का निर्णय लिया है। रमेश के अनुसार, 21 सितंबर 2021 को उच्चतम न्यायालय को दिए गए अपने हलफनामे में मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा था कि जनगणना (2021) के दायरे में (एससी और एसटी को छोड़कर) किसी भी अन्य जाति के बारे में जानकारी नहीं लेने का केंद्र सरकार द्वारा एक सचेत नीतिगत निर्णय लिया गया है।

सुबह-सुबह कई जगहों पर भूकंप के झटके, अमेरिका से लेकर भारत तक कांपी धरती

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज सुबह अमेरिका और भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि अब तक किसी भी स्थान से जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन बार-बार आ रहे भूकंपों ने लोगों के मन में डर का माहौल बना दिया है। अमेरिका में सबसे पहले सुबह 7 बजकर 17 मिनट पर तेज भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 मापी गई। यह भूकंप न्यू मैक्सिको के कार्लसबाद शहर से लगभग 89 किलोमीटर दूर व्हाइट सिटी इलाके में केंद्रित था। भूकंप का केंद्र जमीन की सतह से 7.5 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

अच्छी बात यह रही कि इस भूकंप से किसी भी प्रकार के जान-माल की हानि की कोई खबर नहीं मिली है। हालांकि, इस साल म्यांमार और थाईलैंड में आए विनाशकारी भूकंपों और इंडोनेशिया, अर्जेंटीना व चिली में 6 से 7 तीव्रता के झटकों के बाद इस भूकंप ने लोगों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया था। अमेरिका में भूकंप आने के बाद लोग डर के मारे अपने घरों से बाहर निकल आए और कई घंटों तक सड़कों पर घूमते रहे। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी और यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने इस भूकंप की पुष्टि की है। भारत में भी आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। राजस्थान के झुंझुनूं में सुबह करीब 9 बजकर 30 मिनट पर लोगों ने हल्के झटके महसूस किए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.1 दर्ज की गई। झटके हल्के होने के बावजूद लोगों ने उन्हें महसूस किया और सावधानी बरतते हुए अपने घरों से बाहर निकल आए। यहां भी किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। इस भूकंप का केंद्र जमीन के नीचे 10 किलोमीटर की गहराई पर था।राजस्थान से पहले मेघालय में भी सुबह लगभग 7 बजकर 56 मिनट पर भूकंप के झटके लगे थे। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.6 मापी गई थी। भूकंप का केंद्र गारो हिल्स के उत्तर में 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

नए वक्फ कानून पर मुस्लिम लॉ बोर्ड का हलफनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वक्फ कानून के खिलाफ 8 अप्रैल को देश के कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुए थे। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने केंद्र पर वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट में गलत डेटा पेश करने का आरोप लगाया। बोर्ड ने 1 मई को सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में कहा कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई थीं। केंद्र के हलफनामे में यह बात न होने पर बोर्ड ने इसे झूठा हलफनामा कहा है। साथ ही अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की ओर से हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की है। केंद्र ने 25 अप्रैल को अपने हलफनामे में कहा था कि 2013 तक कुल वक्फ प्रॉपर्टी 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ थी। 2014 से 2025 के 11 साल यह 20 लाख 92 हजार 72.563 एकड़ (116त्न) बढ़ गई, यानी 2025 में कुल वक्फ प्रॉपर्टी 39 लाख एकड़ से ज्यादा हो गई। मामले में 5 मई को सुनवाई होगी। बोर्ड ने केंद्र के हलफनामें को संदिग्ध बताया बोर्ड ने कहा- ऐसा लगता है केंद्र अपने हलफनामे में कह रहा है कि 2013 से पहले रजिस्टर्ड सभी वक्फ प्रॉपर्टियां वक्फ मैनेजमेंट पोर्टल के चालू होते ही तुरंत अपलोड कर दी गई थीं। हलफनामे के %2013 में वक्फ प्रॉपर्टियां% वाले कॉलम में प्रॉपर्टियों की संख्या को ही रजिस्टर्ड संपत्तियां कहना शरारतभरा है। मालूम होता है कि हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी ने जानबूझकर यह नहीं बताया कि सभी प्रॉपर्टियों को 2013 में ही पोर्टल पर अपलोड किया गया था। हलफनामा दायर करने वाले अधिकारी को यह बताना चाहिए कि पोर्टल पर दिख रही सभी प्रॉपर्टियां 2013 में ही रजिस्टर हुई थीं। हलफनामे में यह अहम पहलू गायब है, इसलिए यह संदिग्ध है।

बोर्ड बोला- कलेक्टर की शक्तियों पर केंद्र चुप बोर्ड ने अपने हलफनामे में यह भी कहा है कि केंद्र कानून में कलेक्टर की शक्तियों के बारे में चुप है जबकि रजिस्ट्रेशन के महत्व पर 50 से ज्यादा पैराग्राफ हैं। इसके बावजूद केंद्र ने यह साफ नहीं किया कि नए कानून में %वक्फ बाय यूजर% के कॉन्सेप्ट को हटाने की जरूरत क्यों पड़ी जबकि 1995 के वक्फ कानून धारा 36 के तहत रजिस्ट्रेशन करना पहले से ही जरूरी है।

एशिया कप से पाकिस्तान को किया जा सकता है बाहर-गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के कारण पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एशिया कप से बार कर दिया जाना तय है। एशिया कप की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) कर रहा है और ऐसे में वह किसी भी हालत में पाक शामिल करना नहीं चाहेगा। गावस्कर ने यहां तक कहा कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को भी भंग किया जा सकता है। गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई सरकार के अनुसार चलती है और अभी सरकार पाक से किसी प्रकार के संपर्क के पक्ष में नहीं है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार अगर सरकार पाक से क्रिकेट संबंध नहीं चाहती, तो बीसीसीआई उसपर अमल करेगी। एशिया की मेजबानी सितंबर में भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे। गावस्कर ने यह भी कहा कि अगर हालात और खराब होते हैं ता बीसीसीआई एसीसी से भी अलग हो सकता है और बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान जैसे देशों के साथ अलग टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट भारत, श्रीलंका या बांग्लादेश में कराया जा सकता है और भारत इसकी मेजबानी करेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अगर दो देश एक-दूसरे से दुश्मनी की स्थिति में हों, तो उनके बीच क्रिकेट खेला जाना संभव नहीं है।

सूर्यकुमार ने आयुष को भविष्य का सितारा बताया

बेंगलुरु (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां हुए आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में उभरते हुए बल्लेबाज आयुष म्हात्रे अपनी आक्रामक पारी से सबके आकर्षण का केन्द्र बने हैं। आयुष ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए 94 रन बनाये हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। आयुष की इसी पारी की भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जमकर प्रशंसा की है। सूर्यकुमार ने कहा है कि आयुष भविष्य के सितारे हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, निश्चित इरादे, बहादुरी और जोश से भरी पारी! भविष्य यहीं है, यह नाम याद रखना। गौरतलब है कि आयुष को कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद सीएसके ने अपनी टीम में शामिल किया था। वह मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

इस मैच में आसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने अंतिम ओवर में जबरदस्त गेंदबाजी करते हुए आरसीबी को जीत दिलायी। इस मैच में जीत के लिए सीएसके को अंतिम ओवर में 15 रन की जरुरत पर वह केवल 13 रन ही बना पायी। इस मैच में जीत से आरसीबी का प्लेऑफ में पहुंचना तय हो गया है। इस मैच में आयुष की पारी सबसे आकर्षण का केन्द्र रही। आयुष ने 48 गेंदों में 195.83 के स्ट्राइक रेट से 94 रन बनाए। अपनी इस पारी में आयुष ने 9 चौके और 5 छक्के लगाये।

इंग्लैंड में नहीं स्कॉटलैंड में हुआ फुटबॉल का जन्म

स्कॉटलैंड (एजेंसी)। दुनिया भर में लोकप्रिय खेल फुटबॉल को लेकर अब तक धारणा थी कि इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था, लेकिन नई ऐतिहासिक खोज ने अवधारणा को बदल दिया है। वैज्ञानिकों और इतिहासकारों की टीम ने स्कॉटलैंड में ऐसा प्रमाण खोजा है, जिससे साबित होता है कि फुटबॉल की शुरुआत दरअसल इंग्लैंड में नहीं, बल्कि स्कॉटलैंड में हुई थी। यह खोज न सिर्फ फुटबॉल प्रेमियों के लिए रोमांचक है, बल्कि दो सदी पुराने खेल इतिहास में भी एक बड़ा बदलाव लेकर आई है। ऐतिहासिक खोज का नेतृत्व कर रहे खेल इतिहासकार गेड ओ ब्रायन ने बताया कि उन्होंने स्कॉटलैंड के एन्वॉथ इलाके के पास एक पुराने फार्म मॉसरॉबिन में ऐसी जमीन खोजी, जो कि दुनिया की पहली फुटबॉल पिच हो सकती है। यह मैदान 17वीं सदी का है, जब वहां के लोग नियमित रूप से फुटबॉल खेला करते थे। इस पिच का जिक्र सबसे पहले रेवरेंड सैमुअल रदरफोर्ड द्वारा 1627 से 1638 के बीच लिखे गए एक खत में मिलता है। उस पत्र में उन्होंने स्थानीय लोगों के खेल से नाराजगी जताकर खेल पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैदान में पत्थरों की कतार लगाने का आदेश दिया था। ब्रायन की टीम ने खोज में उन पत्थरों की वास्तविक लोकेशन का पता लगाया और पाया कि वहां कुल 14 पुराने कटे हुए पत्थर एक सीधी कतार में मौजूद हैं।

सीएसके और एमएस धोनी की विफलताओं से नोवाक जोकोविच ले सकते हैं सबक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने लगातार तीन मैच हारने के बाद बड़ा फैसला लिया है। अपने 100वें खिताब की तलाश में जुटे जोकोविच ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। जोकोविच का ये फैसला वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन की तैयारी को देखते हुए अहम भी माना जा रहा है। जहां वह रिकॉर्ड 25वीं ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे। लेकिन ये कहना भी गलत नहीं होगा कि नोवाक के लिए कुछ समय खराब रहा है। नोवाक जोकोविच को इस समय टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के आईपीएल सीजन को फॉलो करने की सलाह दी जा सकती है। अगर सर्बियाई दिग्गज को क्रिकेट बोरिंग लगता है तो, वह धोनी की चार गेंदों वाली पारी देख सकते हैं। जो उन्होंने पिछले मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली थी। जिसे दर्दनाक पारी कहना गलत नहीं होगा। मौजूदा समय में 43 वर्षीय धोनी काफी फिट नजर आ रहे हैं। लेकिन वे कई गेंदों को बीच में नहीं खेल पाए। जब उन्होंने खेला, तो वे उन्हें खेलने में असफल रहे। सभी जानते हैं कि धोनी की पारियों का ष्ट्रस्थ की किस्मत पर असर पड़ेगा। आईपीएल फाइनल में अभी भी लगभग एक महीने का समय बाकी है, लेकिन कई बार चैंपियन बनने वाली टीम इस दौड़ से बाहर हो गई है। धोनी तब विफल हुए, जब उनकी टीम उनसे सबसे ज्यादा सफलता चाहती थी। और उनकी और ष्ट्रस्थ की विफलता में, जोकोविच के लिए एक सबक है- फॉर्म सही नहीं था, यह सिर्फ कहने भर की बात नहीं हो सकती।

बता दें कि, कुछ समय पहले, अप्रैल महीने के आखिर में 37 वर्षीय नोवाक जोकोविच दुनिया के 44वें नंबर के खिलाड़ी मैटियो अर्नाल्डी से

सीधे सेटों में हा गए थे। ये एक ऐसा आत्मसमर्पण था जिसकी उम्मीद शायद किसी को नहीं थी। अपनी हार को स्वीकार करते हुए जोकोविच ने कहा कि, इन दिनों उनका लक्ष्य टूर्नामेंट नहीं बल्कि कुछ राउंड जीतना है।

अन्य दिग्गजों की तरह ही जोकोविच ने कहा कि, जाहिर है कि ग्रैंड स्लैम मेरे लिए सबसे अहम टूर्नामेंट है। इसका मतलब ये नहीं कि मैं यहां जीतना नहीं चाहता, बेशक मैं जीतना चाहता था लेकिन ग्रैंड स्लैम वह जगह है जहां मैं वास्तव में सर्वश्रेष्ठ टेनिस टैप पर था और वह साल में चार बार हुआ।

एमएस धोनी की तर्ज पर ही नोवाक जोकोविच के लिए भी अप्रैल महीने बेहद ही खराब गुजरा। धोनी की टीम आईपीएल 2025 प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी है। पहले टीम की अगुवाई ऋतुराज गायकवाड़ ने की जिसके बाद उनके चोटिल होने के बाद धोनी के पास कप्तानी आई तो वह भी टीम के लिए कुछ कमाल नहीं दिखा पाए।

वास्तव में धोनी पिछले आईपीएल सीजन के दौरान उस नई वास्तविकता को जी रहे थे जिसके बाद में जोकोविच ने बात की थी। 2025 में वह पुरानी वास्तविकता से जाग रहे थे। अपने पुराने रूप की छाया में वह उन पेशेवरों के लिए एक चेतावनी थे जो समय बीतने के बाद भी अपने कदम पीछे खींच रहे थे।

एम चिन्नास्वामी में आयुष म्हात्रे ने बल्ले से मचाया गर्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम के घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी में चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे में बल्ले से तूफान मचा दिया। आयुष ने अपनी पहली आईपीएल फिफ्टी जड़ी। इसकी मदद से वह चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए अर्धशतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के पहले खिलाड़ी बने। साथ ही आईपीएल इतिहास में अर्धशतक लगाने वाले तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। ऋतुराज गायकवाड़ के

चोटिल होने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने आयुष म्हात्रे को उनके रिप्लेसमेंट के रूप में टीम में शामिल किया गया था। अपने पहले ही मैच में आयुष ने इम्पैक्ट पारी खेली थी। दूसरे मैच में भी अपना क्लास दिखाया था। तीसरे में वह जल्दी आउट हो गए थे लेकिन, बड़े मैच में म्हात्रे ने अपनी पारी से इसे यादगार बना दिया। आरसीबी के 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने सधी हुई शुरुआत की। भुवनेश्वर कुमार के ओवर में म्हात्रे ने 26 रन लेकर चेन्नई की पारी को रफ्तार दी। आयुष म्हात्रे ने इसके बाद 25 गेंद पर अपना पहला आईपीएल अर्धशतक पूरा किया और इसके साथ ही इतिहास रच दिया।

कुछ और बड़े शॉट खेलकर दबाव हटाना चाहिये था-धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ दो रन से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि उनके बल्लेबाजों को कुछ और बड़े शॉट खेलकर दबाव हटाना चाहिये था और इसके लिये वह खुद भी दोषी हैं। जीत के लिये 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई की टीम पांच विकेट पर 211 रन ही बना सकी। आखिरी तीन गेंद में उसे छह रन चाहिये थे लेकिन टीम दो रन से चूक गई। धोनी ने मैच के बाद कहा ,'' मुझे लगता है कि हमें कुछ और बड़े शॉट खेलकर दबाव हटाना चाहिये था। मैं इसके लिये अपनी गलती भी मानता हूं। डैथ ओवरों में शेफर्ड (रोमारियो) ने उम्दा बल्लेबाजी की और इतने रन बना डाले।''

आरसीबी के रोमारियो शेफर्ड ने 14 गेंद में नाबाद 53 रन बनाये जो आईपीएल में दूसरा संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक है। धोनी ने कहा ,'' हमें और यॉर्कर डालने का अभ्यास करना होगा। जब बल्लेबाज क्रीज पर जम जाता है तो यॉर्कर ही काम आते हैं। अगर यॉर्कर नहीं डाल सकते तो नीचे की ओर फुलटॉस सर्वश्रेष्ठ विकल्प है।पथिराना (मथीषा) के पास रफ्तार है और वह बाउंसर भी डाल सकता है। वह यॉर्कर डालने में चूकता है तो बल्लेबाज के बड़े शॉट खेलने की संभावना रहती है।'' उन्होंने कहा ,'' हम अब तक बल्लेबाजी में पिछड़ रहे थे लेकिन आज बल्लेबाजी ईकाई के रूप में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा।

रोमारियो शेफर्ड ने सीएसके के गेंदबाजों को छकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी की तरफ से रोमारियो शेफर्ड ने तूफान मचा दिया है। शेफर्ड ने अंतिम दो ओवरों में तूफानी पारी खेलते हुए इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करवा लिया है।

शेफर्ड आईपीएल 2025 में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, जबकि आईपीएल के इतिहास में ऐसा करने वाले चौथे बल्लेबाज बने हैं। शेफर्ड ने चेन्नई के खिलाफ मैच में 14 गेंद में नाबाद 53 रन बनाए हैं।

आईपीएल में सबसे तेज फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड यशस्वी जायसवाल के नाम है। उन्होंने 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 13 गेंदों में 50 रन ठोके थे।

केएल राहुल, पैट कमिंस और रोमारियो शेफर्ड ने 14-14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया है। रोमारियो ने आईपीएल में 19-20 ओवरों के दौरान 42 गेंदों में 128 रन ठोके हैं। इस दौरान उन्होंने स्ट्राइक रेट 305 का रहा है। वह दो बार आउट हुए हैं। उन्होंने 13 छक्के और 10 चौके लगाए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में रोमारियो शेफर्ड कप्तान रजत पाटीदार के आउट होने के बाद क्रीज पर आए। वह शुरुआती दो गेंद में सिर्फ एक रन ही बना सके। इसके बाद खलील अहमद के ओवर में उन्होंने चार छक्के और दो चौके लगाकर ओवर में 33 रन बटोरे। उन्होंने 9 गेंद में ही 33 रन बना लिए थे। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने दो चौके और इतने ही छक्के लगाकर 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जोकि जारी सीजन का सबसे तेज अर्धशतक भी है। शेफर्ड ने 14 गेंद में 6 छक्के और चार चौके की मदद से 53 रन बनाए।

सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन के पास है करोड़ों की संपत्ति, महंगी कारों की हैं शौकीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल 2025 से तकरीबन बाहर ही हो चुकी है। अब उनका प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना बहुत मुश्किल है। टीम की मालकिन काव्या मारन को काफी उम्मीदें थी लेकिन वह खत्म हो गई। आपको बता दें काव्या मारन के पास कितनी संपत्ति हैं और वह इतनी कमाई कहां कहां से करती हैं। उनकी कार कलेक्शन में कौन कौन सी गाड़ियां हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ काव्या मारन की कुल संपत्ति करीब 400 करोड़ की बताई जाती है। उनके कार कलेक्शन में फेरारी रोमा, बेंटले बेंटायगा, रोल्स-रॉयस फैंटम और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी गाड़ियां हैं। काव्या को इतनी संपत्ति अपने पिता के कारण मिली है। उनके पिता कलानिधि मारन सन ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं, जिनकी नेटवर्थ करीब 25000 करोड़ से भी ज्यादा है। काव्या मारन सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक हैं। वह अपने पिता का कामकाज देखती हैं। इसके अलावा वह आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की सीईओ और सह-मालिक हैं। वह द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स समेत अन्य प्रोफेशनल खेल टीमों में सन ग्रुप के निवेश की भी देखरेख करती हैं।

सनराइजर्स इस्टर्न केप की मालकिन भी काव्या मारन ही है। चेन्नई में जन्मी काव्या मारन ने अपनी पढ़ाई यूके के वारविक बिजनेस स्कूल से एमबीए करने से पहले चेन्नई के स्टेला मैरिस कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। 2018 में फ्रेंचाइजी की कमान संभालने के बाद से उन्होंने एसआरएच की ब्रांड पहचान को मजबूत करने की दिशा में काम किया। वह हर समय टीम के साथ रही हैं और उनके चीयर करती नजर आती हैं।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की क्वीन शार्लेट बेसबॉल खिलाड़ी एलेक्स को कर रही डेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूई की सुपरस्टार शार्लेट फ्लेयर जो 2025 में डब्ल्यूडब्ल्यूई रॉयल रंबल मैच जीते थे। उनको हाल ही में लास वेगास में हुए शो ऑफ शोज में टिफनी स्ट्रैटन ने उन्हें हरा दिया। घुटने की चोट के कारण एक साल के ब्रेक के बाद शार्लेट ने 2025 विमेंस रॉयल रंबल जीतकर डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी की थी। हालांकि, टिफनी स्ट्रैटन के खिलाफ उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई विमेंस चैंपियन का खिताब बरकरार रखने में हार का सामना करना पड़ा।

शार्लेट फ्लेयर ने अपने पति एंड्राडे से शादी के दो साल बाद तलाक की घोषणा की है। जिसके बाद फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि वह पूर्व बेसबॉल शॉर्टस्टॉप एलेक्स रोड्रिगेज को डेट कर रही हैं। शार्लेट फ्लेयर और एंड्राडे ने 2019 में अपने रिश्ते की घोषणा की थी। कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद दोनों ने 2020 में सगाई की थी और 2022 में शादी की थी।

डब्ल्यूडब्ल्यूई की यह जोड़ी एक पावर कपल लग रही थी जब एंड्राडे ने 31 जुलाई 2022 को अपने महान लास्ट मैच के लिए रिक फ्लेयर के साथ साझेदारी की।

एंड्राडे को शार्लेट फ्लेयर की घुटने की चोट से उबरने के दौरान भी उनका समर्थन करते हुए दिखे थे, लेकिन किसी को पता नहीं था कि पर्दे के पीछे रिश्ते में दरारें पड़ रही थीं। जिसके कारण उनकी शादी खत्म हो गई। शार्लेट फ्लेयर ने अपने पति एंड्राडे से शादी के दो साल बाद तलाक की ऐलान किया है। डब्ल्यूडब्ल्यूई सितारों ने जुलाई 2024 में अपनी शादी समाप्त कर दी, कोर्ट के रिकॉर्ड से पुष्टि हुई कि तलाक अक्टूबर 2024 में हो गई थी। इस चौंकाने वाले अलगाव ने फैंस और रेसलिंग समुदाय के बीच एक नई चर्चा को जन्म दिया, क्योंकि जब उन्होंने अपनी शादी के अंत की घोषणा की तो वे काफी हैरान थे। शार्लेट फ्लेयर की प्रेम जीवन अपडेट के मुताबिक एंड्राडे और फ्लेयर के अलगाव के कारण का उल्लेख करने वाले कोई आधिकारिक अदालती रिकॉर्ड नहीं मिले हैं। हालांकि जोड़ी ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन अटकलें हैं कि व्यभिचार ने अचानक ब्रेक में भूमिका निभाई होगी, भले ही आधिकारिक कारण अभी भी सामने नहीं आया है।

पिछले रिश्ते से आगे बढ़ने का फैसला किया अब, ऐसा लगता है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई की क्वीन ने पिछले रिश्ते से आगे बढ़ने और नई शुरुआत करने का फैसला कर लिया है। बता दें फ्लेयर को हाल ही में पूर्व अमेरिकी बेसबॉल स्टार एलेक्स रोड्रिगेज के साथ देखा गया था, जिससे संभावित डेटिंग की अफवाहें फैल गईं। हाल ही में, एलेक्स रोड्रिगेज और शार्लेट फ्लेयर को मिनेसोटा टिंबरवुल्फ बनाम लॉस एंजिल्स लेकर्स गेम में एक साथ देखा गया था।

मुख्यमंत्री ने किया भव्य जिला न्यायालय भवन का लोकार्पण

करुणा, विवेक और न्याय से जागृत होगी आत्मा

रीवा के लिए न्यायालय भवन की सौगात गौरव और खुशी का क्षण

सुप्रीम कोर्ट के तीन जज पहुंचे रीवा, हाईकोर्ट के जस्टिस भी रहे मौजूद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रीवा में भव्य जिला न्यायालय भवन का लोकार्पण किया। इस पाँच मंजिला भवन के तीन खण्डों में 40 कोर्ट रूम तथा 750 वकीलों के बैठने की व्यवस्था है। इसकी कुल लागत 96 करोड़ रुपए है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नवीन भवन से रीवा ही नहीं पूरा मध्यप्रदेश गौरवान्वित हुआ है। यह प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जिला न्यायालय भवन है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीश गणों की गौरवमयी उपस्थिति ने इसके लोकार्पण की गरिमा को दुगना कर दिया है। रीवा में 1834 में तब के महाराजा ने दरबार से बाहर दो तरह के न्यायालयों की व्यवस्था की थी। उस समय आमजनता को न्याय सुलभ कराने का जो संकल्प लिया गया था उसे हम पूरा कर रहे हैं। हमारे देश में राजा हरिश्चन्द्र और महाराजा विक्रमादित्य जैसे प्रतापी और न्यायप्रिय राजाओं की परंपरा रही है। जिन्होंने सदैव जनहित और देशहित में निष्पक्ष होकर न्याय किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने न्यायिक प्रणाली को अधिक कारगर बनाने के लिए नये कानून बनाए। नये कानूनों से न्यायिक प्रणाली और लोकतंत्र दोनों समृद्ध हुए हैं। प्रधानमंत्री जी की पहल पर तीन तलाक के कानून को समाप्त किया गया। इससे महिलाओं की बेहतरी हुई। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में राम मंदिर के संबंध में सराहनीय निर्णय देकर 500 साल के विवाद का अंत किया। इसके लिए न्यायालय का अभिनंदन है। रीवा में न्याय की गौरवशाली परंपरा रही है। भगवान राम ने अपने वनवास के 11 वर्ष रीवा राज्य के ही चित्रकूट में बिताकर इस धरती को धन्य किया है। उनकी प्रेरणा से ही राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने का बल मिला है।

समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्री सूर्य कांत ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। सरकार के सक्रिय सहयोग से 30 नवीन न्यायालय भवनों की सौगात मिली है। रीवा का नवीन न्यायालय भवन में न्यायालयीन प्रणाली से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताएं पूरी हो जाएंगी। नवीन भवन में मानवीय मूल्यों की स्थापना हो और कारगर न्यायप्रणाली से निष्पक्ष न्याय मिले। देश की प्रगति के लिए मजबूत न्याय प्रणाली का होना आवश्यक है। समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्री जे.के. माहेश्वरी ने कहा कि रीवा में राजा विश्वनाथ सिंह ने वर्षों पहले दो न्यायालयों का गठन किया था। मेताक्षरा न्यायालय में हिन्दू धर्म की परंपराओं के अनुसार तथा धर्मसभा में धार्मिक आधार पर न्याय किया जाता था। नवीन न्यायालय भवन बघेली स्थापत्य और आधुनिकता का अनूठा संगम है। इस भवन में जब करूणा, विवेक और न्याय होगा तभी इसकी आत्मा जागृत होगी। समारोह में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश श्री सतीश चन्द्र शर्मा ने कहा कि रीवा में विधि का इतिहास बहुत महत्वपूर्ण है। इसी माटी से निकलकर श्री जीपी सिंह हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तथा जस्टिस जेएस वर्मा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। यहाँ के कई जज और अधिवक्ता हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेर रहे हैं। समारोह में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्री सुरेश कुमार कैत ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से प्रदेश को 30 नये भवन मिले हैं। रीवा के भव्य न्यायालय भवन में 40 कोर्ट और 750 वकीलों के बैठने की व्यवस्था है। अन्य प्रदेशों की तुलना में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में प्रकरण अधिक हैं लेकिन जजों की संख्या कम है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चार लाख 78 हजार से अधिक मामले लंबित हैं। इनके निराकरण के लिए हाईकोर्ट में 32 नये जजों की नियुक्ति किया जाना आवश्यक है।

समारोह में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा के लिए नवीन जिला न्यायालय भवन की सौगात खुशी और गौरव लेकर आई है। रीवा ही नहीं पूरा विन्ध्य तेजी से विकास कर रहा है। यहाँ 40 मिलियन टन सीमेंट और 15 हजार मेगावाट बिजली के उत्पादन सहित अत्यधिक मात्रा में कोयले का भी उत्पादन होता है। विन्ध्य में रेलवे लाइन, फोरलेन सड़कों और एयरपोर्ट निर्माण के साथ हर क्षेत्र में विकास में तेजी आई है। नवीन भवन के लोकार्पण में मुख्यमंत्री जी और न्यायाधीशगणों ने शामिल होकर हमारा गौरव बढ़ा दिया है। हमारी न्याय प्रणाली सुदृढ़ होगी तो हमारा लोकतंत्र भी मजबूत बनेगा। समारोह में हाईकोर्ट के पोर्टफोलियो जज श्री संजीव सचदेवा ने कहा कि रीवा की न्यायिक प्रणाली देश के संविधान से भी पुरानी है। यहाँ राजशाही विन्ध्य प्रदेश के समय भी मजबूत न्याय व्यवस्था थी। रीवा हाईकोर्ट से बघेलखण्ड और बुंदेलखण्ड के 21 जिलों के प्रकरणों का निराकरण होता था। नवीन न्यायालय भवन से रीवा की न्यायालयीन परंपरा को नया आयाम मिलेगा। समारोह में स्वागत उद्बोधन हाईकोर्ट के न्यायाधीश श्री संजय द्विवेदी ने दिया। समारोह में हाईकोर्ट के न्यायाधीश श्री विशाल मिश्रा, एडवोकेट जनरल श्री प्रशांत सिंह, प्रमुख सचिव न्याय विभाग श्री एनपी सिंह, सांसद श्री जनार्दन मिश्र, विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहीं। समारोह में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान ने स्मृति चिन्ह भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, स्टेट बार काउंसिल के सदस्य श्री अखण्ड प्रताप सिंह, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र पाण्डेय, श्री नरेन्द्र सिंह बघेल, श्री लक्ष्मीनारायण मिश्रा, श्री शिवेन्द्र उपाध्याय, श्री सुशील तिवारी, श्री घनश्याम सिंह तथा बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

बाइक में लगी आग, मिनटों में जलकर हुई राख

शॉर्ट सर्किट या पेट्रोल लीक की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के मझगवां बस स्टैंड पर एक बाइक में अचानक आग लग गई। बाइक कुछ ही मिनटों में पूरी तरह जलकर राख हो गई। घटना के समय बाइक बस स्टैंड पर खड़ी थी। अचानक बाइक से धुआं निकलने लगा। कुछ ही पलों में आग की लपटें तेज हो गईं। आसपास मौजूद लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

सूचना मिलते ही मझगवां पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट या पेट्रोल टैंक से रिसाव को आग का कारण माना जा रहा है। हालांकि अभी तक आग लगने का सटीक कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बाइक नकैला के किसी निवासी की बताई जा रही है। पुलिस बाइक मालिक की पहचान और नुकसान का आकलन कर रही है।

पत्नी को लेकर भागे प्रेमी की फरसे से हत्या, पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में पत्नी को प्रेमी के साथ जाते देखने के बाद गुस्से में एक पति ने उस प्रेमी की जान ले ली। रेलवे ठेका कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर काम करने वाले गोपाल श्रीवास्तव (खरे) की 2 मई को फरसे से हत्या कर दी गई। आरोपी अशोक पयासी घटना के दो दिन बाद जंगल से गिरफ्तार किया गया। घटना की जड़ में पारिवारिक विवाद है। आरोपी की पत्नी गोपाल के साथ भाग गई थी। वह अपने चार बच्चों और पति को छोड़कर पिछले एक साल से गोपाल के साथ नागौद में किराए के मकान में रह रही थी। अशोक ने इस मामले की शिकायत जसो थाने में की थी। पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं होने पर वह खुद गोपाल को सबक सिखाने की योजना बनाने लगा।

टीआई अशोक पांडेय के अनुसार, आरोपी ने सिंहपुर रोड सड़वा स्टेशन के पास गोपाल पर हमला किया। उसने गर्दन और पैर सहित कई जगह फरसे से वार किए। हत्या के बाद आरोपी ने फरसा वहीं फेंक दिया और सुरदहा के जंगल में छिप गया। दो दिन की तलाश के बाद रविवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गांव के लोगों के मुताबिक अशोक अक्सर फरसा लेकर घूमता था और कहता था कि वह गोपाल की हत्या करेगा। आखिरकार उसने अपनी धमकी को अंजाम दे दिया।

मुख्यमंत्री ने नवीन विश्राम गृह का किया शुभारंभ

इंडो-यूरोपियन शैली में 6.56 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित हुआ है अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्राम गृह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीवा राजनिवास सर्किट हाउस परिसर में नवनिर्मित विश्राम गृह का लोकार्पण किया। इंडो-यूरोपियन शैली में पुर्नघनत्वीकरण योजना से 656.45 लाख रूपये की लागत से नवीन विश्राम गृह सभी आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा मानकों के अनुसार निर्मित किया गया है। मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर नवनिर्मित विश्राम गृह को लोकार्पित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि नवीन सर्किट हाउस रीवा के लिए बड़ी सौगात है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह भवन विश्राम करने वालों को सुखद अनुभूति देगा। उन्होंने नवीन सर्किट हाउस निर्माण की पहल के लिए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को साधुवाद दिया। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण के उपरांत सर्किट हाउस का भ्रमण कर अवलोकन किया तथा बेहतर निर्माण की प्रशंसा की।

पुर्नघनत्वीकरण योजना से म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा 2200 वर्ग मीटर में नवनिर्मित विश्राम गृह में 6 स्विट रूम के साथ एक वेंटिंग एरिया, 24 सीटर मीटिंग हॉल, ड्राइंग रूम, 14 सीटर डायनिंग एरिया आदि का निर्माण कराया गया है। भवन में लिफ्ट एवं अग्निशमक यंत्र का भी प्रावधान किया गया है। इस अवसर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद श्री जनार्दन मिश्र, विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता, कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह सहित जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने रीवा सिटीजन ऐप का किया शुभारंभ

नागरिकों को अब नगर निगम की सेवाओं का घर बैठे मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने नगर पालिक निगम रीवा द्वारा निर्मित माय रीवा सिटीजन ऐप का रिमोट की बटन दबाकर शुभारंभ किया। यह ऐप नागरिकों की सेवा में एक स्मार्ट पहल है। जिसके माध्यम से रीवा के नागरिक नगर निगम की सेवाओं से जुड़कर घर बैठे आवश्यक सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। इस अवसर पर नगर निगम द्वारा माय रीवा सिटीजन ऐप से संबंधित निर्मित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

माय रीवा सिटीजन ऐप में शिकायत पंजीकरण, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, नाली, सड़क, सीवरेज, पेयजल सहित सेवा ट्रैकिंग और समाधान स्थिति को देखा जा सकेगा। इसके माध्यम से आमजन सुझाव, फीडबैक प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे। जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, सम्पत्तिकर, जलकर भुगतान, अनुमति एवं अनापत्ति प्रमाण पत्र व ई चालान सहित अन्य सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। ऐप में शिकायत के साथ फोटो अपलोड करने, गूगल मैप आधारित स्थान चिन्हांकन, वन स्टाप प्लेट फार्म में शिकायतों, सेवाएँ, सरल व पारदर्शी इंटरफेस, डैशबोर्ड तथा सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण आदि की सुविधा भी रहेगी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक सिरमौर दिव्यराज सिंह, विधायक मनगवां इंजीनियर नरेन्द्र प्रजापति, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पीटीएस में पदस्थ आरक्षक की सड़क हादसे में मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में पदस्थ आरक्षक की शनिवार देर रात सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के रामनई में हुआ। मृतक की पहचान सोमनाथ सेन निवासी रामपुर बघलान जिला सतना के रूप में हुई है। मृतक के पुत्र सचिन सेन ने बताया कि उनके पिता पुलिस ट्रेनिंग सेंटर पीटीएस रीवा में आरक्षक पद पर पदस्थ थे। वह तिलकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने मऊगंज गए थे। रविवार को सीएम के आगमन को लेकर उनकी वीआईपी ड्यूटी लगी हुई थी। जिसके चलते वह तिलक कार्यक्रम से रात में ही बाइक से रीवा के लिए चल दिए और देर रात करीब 11 बजे जब वह रामनई के समीप पहुंचे तभी तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पीटीएस एसपी सहित स्टाफ के लोग अस्पताल पहुंचे। जहां सोमनाथ के शव का पीएम कराया गया। वहीं रायपुर कर्चुलियान पुलिस ने ट्रक सहित चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सतना मंदिर में 55 साल के बुजुर्ग ने काटी जीभ, अस्पताल में भर्ती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना जिले में एक अजीब मामला सामने आया है। मझगवां कस्बे में एक तालाब के किनारे स्थित प्राचीन देवी मंदिर में 55 वर्षीय प्यारे लाल वर्मा ने गुप्त नवरात्रि के दौरान अपनी जीभ काटकर देवी के चरणों में अर्पित कर दी। जीभ काटने के बाद प्यारे लाल मंदिर में ही बेहोश हो गए। घटना की जानकारी लगते ही मंदिर में लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजन और स्थानीय लोग भजन-कीर्तन में जुट गए। मझगवां पुलिस को सूचना मिलने पर टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल को अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन परिजनों और ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। उनका कहना था कि देवी की कृपा से जीभ वापस हो जाएगी। हालांकि की पुलिस की समझाइश के बाद वह माने।

स्थानीय लोगों के अनुसार, इससे पहले भी कई श्रद्धालु आस्था के चलते इस मंदिर में अपनी जीभ अर्पित कर चुके हैं। फिलहाल मौके पर पुलिस मौजूद है और लोग भजन-कीर्तन कर देवी से जीभ वापसी की कामना कर रहे हैं।

मझगवां टीआई आदित्य नारायण धुर्वे ने बताया कि परिजनों एवं ग्रामीणों को काफी समझाने के बाद वे मान गए हैं। अचेत प्यारेलाल को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। जहां उसका इलाज चल रहा है।

विशेष इंतजामों के बीच 13 परीक्षा केन्द्रों में हुई नीट यूजी की परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में 13 परीक्षा केन्द्रों में रविवार को नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा में बड़ी संख्या में परीक्षार्थी शामिल हुए। हर सेंटर में 500 के करीब विद्यार्थी शामिल हुए हैं। परीक्षा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा केन्द्र में पहुंचने के लिए सुबह 11 बजे से 1.30 बजे तक का समय निर्धारित किया था। परीक्षा शांतिपूर्वक आयोजित करने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। हर सेंटर में 500 के करीब विद्यार्थी शामिल हुए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से एडिशनल एसपी विवेक लाल को नोडल अधिकारी बनाया गया है। सभी परीक्षा केन्द्रों में सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहा। परीक्षार्थियों की अधिक संख्या तथा बड़ी संख्या में वाहनों के शहर में प्रवेश को ध्यान में रखकर 4 मई को शहर के कई प्रमुख मार्गों में ट्रैफिक डायवर्ट किया गया था।

रेलवे स्टेशन से निकलते ही टीम ने पकड़ा

सतना में ढाई क्विंटल नकली पनीर जब्त

सैंपल को जांच के लिए भेजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सतना रेलवे स्टेशन से ढाई क्विंटल पनीर जब्त किया गया है। यह पार्सल के माध्यम से भोपाल से रविवार को सतना लाया गया था। जिला प्रशासन और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने प्राथमिक जांच में इसे नकली पाया। इसके बाद फाइनल टेस्ट के लिए लैब में भेजा गया है। एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया के नेतृत्व में खाद्य विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। पनीर को मार्केट की ओर ले जाते समय टीम ने इसे जब्त कर लिया। खाद्य निरीक्षक अभिषेक गौर के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पनीर मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया।

पनीर भोपाल से सतना के एक दीप नामक व्यक्ति के लिए भेजा गया था। पार्सल पर पूरा विवरण नहीं होने के कारण भेजने और मंगवाने वाले की पहचान में कठिनाई हो रही है। प्रशासन इस मामले की जांच कर रहा है। वर्तमान में विवाह सीजन के कारण बाजार में पनीर की मांग अधिक है। आशंका है कि कुछ स्थानीय व्यापारियों ने इस मांग को पूरा करने के लिए बाहर से नकली पनीर मंगवाया। प्रशासन ने दोषियों की पहचान होते ही कार्रवाई करने की बात कही है।

बस ने बाइक को कुचला, दो युवक गंभीर

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर के एनएच 30 पर रविवार सुबह 10 बजे एक हिट एंड रन की घटना सामने आई। पोड़ी के पास असम से आ रही टूरिस्ट बस ने दो बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। बस ने टक्कर मारने के बाद युवकों को करीब 500 मीटर तक घसीटा। राहगीरों के पीछा करने पर बस को रोका गया। बाइक समेत दोनों युवक बस के नीचे फंसे हुए थे। स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला। घायल युवकों की पहचान पोड़ी निवासी सोनू पटेल (20) और अरुण पटेल (22) के रूप में हुई है। दोनों को पहले सिविल अस्पताल मैहर में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर कर दिया गया। मैहर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस को जब्त कर लिया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।